



Anushka Sharma
Vaani Kapoor...

SHARE	
सेंसेक्स	: 81,721.08
निफ्टी	: 24,853.15
SARAFI	
सोना	: 9,120
चांदी	: 111.0

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

छत्तीसगढ़ में 20 इनामी सहित 24 नक्सलियों ने किया सरेंडर

BIJAPUR : छत्तीसगढ़ के अबुझमाड़ के गौरेर मुठभेड़ में नक्सली संगठन के महासचिव और शीर्ष नक्सली लीडर नम्बाला केशव राव उर्फ बसव राजू सहित 27 नक्सलियों के मारे जाने के बाद शुक्रवार को 24 सक्रिय इनामी नक्सली संगठन छोड़कर बीजापुर में आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें दो महिला सहित 20 इनामी नक्सली शामिल हैं। इन नक्सलियों में दो महिला नक्सली सहित पीएलजीए कंपनी नंबर 2 के सीवायपीसी राकेश, पीएलजीए बटालियन नम्बर-1 के सदस्य, माड़ु डिबीजन कंपनी नम्बर-7 के पीपीसीएम, एसीएम/पीपीसीएम, कंपनी नंबर-2 पार्टी सदस्य, सीएनएम अध्यक्ष, केएमएस अध्यक्ष व अन्य शामिल हैं।

पंजाब पुलिस ने 101 मादक पदार्थ तस्करी को किया गिरफ्तार

CHANDIGARH : पंजाब में मादक पदार्थ की समस्या को खत्म करने के लिये चलाए जा रहे युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पुलिस ने 101 मादक पदार्थ तस्करी को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 15.9 किलोग्राम हेरोइन, 102 किलोग्राम चूरा पोस्ट तथा 25.52 लाख रुपये बरामद किये हैं।

अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को अभियान के 82वें दिन ये गिरफ्तारियां और बरामदगी हुईं। इसके साथ ही इस अभियान के तहत अब तक कुल 12,650 मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार हो चुके हैं।

संसदीय प्रतिनिधिमंडल को ले जा रहा विमान

40 मिनट दर से उतरा

MOSCOW : भारतीय सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल सहित अन्य यात्रियों को लेकर मास्को आया विमान गुरुवार को को लगभग 40 मिनट की देरी से उतरा। घटनाक्रम से वाकिफ लोगों ने बताया कि रातभर हुए ड्रोन हमलों के मद्देनजर मास्को के हवाई अड्डों को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया था, जिसके चलते विमान देरी से उतरा। रूसी अधिकारियों ने कहा कि अस्थायी उड़ान प्रतिबंधों के कारण 153 उड़ानें प्रभावित हुईं। मामले के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि यूक्रेन ने रूस की राजधानी पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए, जिसके चलते यहां स्थित सभी हवाई अड्डों को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा।

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्वोत्तर को देश के विकास का इंजन बताया और कहा कि यह क्षेत्र विकास की आपार संभावनाओं से भरा पड़ा है। प्रधानमंत्री ने देश और दुनिया के निवेशकों से आग्रह किया कि वे पूर्वोत्तर के विकास में भागीदार बनें। उन्होंने विस्वास जताया कि आने वाले वर्षों में विकसित भारत का रास्ता पूर्वोत्तर से होकर जाएगा। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास

» प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट का किया उद्घाटन

» निवेशकों को जोड़ना व नीति निर्माताओं के साथ संवाद को बढ़ावा देना है कार्यक्रम का लक्ष्य



जमीनी स्तर पर नजर आ रहा बदलाव

पीएम ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में पूर्वोत्तर में हुए बदलाव केवल आंकड़ें नहीं हैं। जमीनी स्तर पर बदलाव नजर आ रहा है। उन्होंने 700 से अधिक बार केंद्रीय मंत्रियों की यात्राओं का हवाला देते हुए कहा कि यह क्षेत्र अब लुक ईस्ट से एवट ईस्ट की नीति के तहत भारत की विकास यात्रा में अग्रणी बन गया है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर में हुए विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 11 हजार किमी हाई-वे निर्माण, भूपेन हजारिका ब्रिज और सेला टनल जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स, पूर्वोत्तर गैस पिड, 4जी/5जी नेटवर्क और 13 हजार किमी ऑटोक्ल फाइबर नेटवर्क का काम पूर्वोत्तर में हुआ है। इन परियोजनाओं ने उद्योगों के लिए फस्ट मूवर एडवांटेज की स्थिति बना दी है।

भारत-आसियान व्यापार का सेतु

प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर को भारत-आसियान व्यापार का सेतु बताया और कहा कि भारत-आसियान व्यापार जल्द ही 200 अरब डॉलर को पार करेगा। गुवाहाटी, इफाल और अगरतला में लॉजिस्टिक्स हब और मिजोरम व मेघालय में लैंड कस्टम स्टेशन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नया आयाम देंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि बीते दशक में 10 हजार से अधिक युवाओं ने हथियार छोड़कर मुख्यधारा अपनाई। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिला है। गांवों में होमस्टे, नए टूर गाइड और सांस्कृतिक आयोजन बढ़े हैं। साथ ही हील इन इंडिया अभियान के अंतर्गत पूर्वोत्तर को वेलनेस टूरिज्म का केंद्र बनाया जा रहा है।

करना, निवेशकों को जोड़ना और नीति निमाताओं के साथ संवाद को बढ़ावा देना है। इसमें पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र, स्वास्थ्य, शिक्षा, आईटी, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और खेल जैसे प्रमुख क्षेत्रों को फोकस किया गया है। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर को अष्टलक्ष्मी से संबोधित किया और कहा कि यह क्षेत्र व्यापार, पर्यटन, जैव-अर्थव्यवस्था, बांस उद्योग, चाय उत्पादन, खेल, ऊर्जा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में विशाल संभावनाओं से भरा हुआ है।

सीएम हेमंत सोरेन ने श्रावणी मेले की तैयारी को लेकर की मीटिंग, अधिकारियों से कहा-

देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं व सुरक्षा का करें पुरख्ता इंतजाम

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 11 जुलाई से शुरू होने वाले विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम-बासुकीनाथ तीर्थ क्षेत्र विकास प्राधिकार और वरीय पदाधिकारियों के साथ हाई लेवल मीटिंग की। श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने राजकीय श्रावणी मेला से जुड़ी सारी तैयारियां ससमय पूरी करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि, श्रावणी मेले में देश-विदेश से श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। बैठक में अधिकारियों ने श्रावणी मेला की चल रही तैयारियों की स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उच्च स्तरीय बैठक में मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक सुरेश पासवान, विधायक देवेंद्र कुंवर, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य

» सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर तैयारियों को दें अंतिम रूप



इस वर्ष लगभग 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की जताई जा रही संभावना

» विभागों की ओर से की जा रही व्यवस्था की मॉनिटरिंग करेगी सीएस अलका तिवारी

नीति आयोग की बैठक में भाग लेने दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

झारखंड सरकार पेश करेगी 'विकसित भारत 2047' का रोजमैप

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 24 मई को नई दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की शासी निकाय की बैठक में भाग लेने के लिए रांची से दिल्ली पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित

अन्य केंद्रीय मंत्री एवं राज्यों के मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में झारखंड सरकार की ओर से 'विकसित भारत 2047' अभियान के तहत नगर विकास विभाग राज्य का विस्तृत रोजमैप प्रस्तुत करेगा। इसके साथ ही पिछली बैठकों में हुई चर्चाओं और उठाए गए कदमों पर आधारित एक्शन टेकैन रिपोर्ट भी पेश की जाएगी।

मुद्रा योजना के तहत ऋण वितरण

राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में मुद्रा योजना के तहत अब तक 6278 जरूरतमंदों को कुल 55.33 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया है। वहीं, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को किफायती दरों पर ऋण उपलब्ध

» स्वच्छता, विश्राम, पेयजल, बिजली, पानी, शौचालय, रजानागार, यातायात पर किया जा रहा विशेष फोकस

कराए गए हैं, जिससे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को आर्थिक रूप से सशक्त करने में मदद मिली है।

स्वयं सहायता समूह का गठन

इसके अलावा, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत 2014 से 2024 के बीच राज्य में 24,380 स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं और 7748 लोगों को 10 लाख तक के ऋण प्रदान किए गए हैं। नीति आयोग की यह बैठक देश के समावेशी विकास और राज्य-केंद्र समन्वय को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच मानी जा रही है। झारखंड सरकार की भागीदारी से राज्य के विकास कार्यों को राष्ट्रीय मंच पर बेहतर पहचान मिलने की उम्मीद है।

राजनीतिक इच्छाशक्ति और खुफिया एजेंसियों से मिली सटीक जानकारी ने भी निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

सफलता के तीन प्रमुख कारण बताए। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से मिली सटीक जानकारी और भारतीय सेना की जबरदस्त मारक क्षमता के तालमेल

से संभव हुआ। इन तीनों के एकसाथ आने से देश ने दशकों से चल रहे पाकिस्तान प्रावोजित आतंकवाद का निर्णायक उत्तर दिया। अमित शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में महानिदेशक बीएसएफ दलजीत सिंह चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। शाह ने बीएसएफ के अलंकरण समारोह 2025 और रूस्मजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए अर्धसैनिक बल के साहस और समर्पण को सलाम किया।

इंडिगो की फ्लाइट को पाकिस्तान ने नहीं दी अपने वायु क्षेत्र में घुसने की इजाजत

विमान में सवार 220 से ज्यादा यात्रियों की खतरे में पड़ गई थी जान

AGENCY NEW DELHI : नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को खुलासा किया है कि नई दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो की ए321 नियो फ्लाइट को खराब मौसम में फंसने के बावजूद अपने हवाई क्षेत्र में घुसने की इजाजत नहीं दी थी। इसके चलते विमान में सवार 220 से 274 यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई थी। इस विमान में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 5 सांसद भी सवार थे। हालांकि, राहत की बात रही

कि विमान सुरक्षित रूप से श्रीनगर एयरपोर्ट पर लैंड कर गया। डीजीसीए ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि नई दिल्ली से श्रीनगर जा रहे इंडिगो एयरलाइन के चालक दल के सदस्यों ने बुधवार को खराब मौसम से बचने के लिए पाकिस्तान हवाई क्षेत्र में प्रवेश का अनुरोध किया था, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए डीजीसीए ने कहा कि विमान में सवार किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई है।

रिजर्व बैंक की ओर से सरकार को मिलेगा रिकॉर्ड 2.69 लाख करोड़ रुपये का लाभांश

MUMBAI @ PTI : शुक्रवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभांश देने की घोषणा की, जो 2023-24 के लाभांश भुगतान से 27.4 प्रतिशत अधिक है। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार को 2.1 लाख करोड़ रुपये का लाभांश हस्तांतरित किया था। इसके पहले वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भुगतान वितरण 87,416 करोड़ रुपये रहा था। आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की यहां



केंद्रीय निदेशक मंडल की 616वीं बैठक में सरकार को लाभांश देने का हुआ निर्णय

संशोधित आर्थिक पूंजी ढांचे के आधार पर किया गया है राशि का निर्धारण

आयोजित 616वीं बैठक में सरकार को रिकॉर्ड लाभांश

भुगतान करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता गवर्नर संजय मल्होत्रा ने की। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि निदेशक मंडल ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की, जिसमें परिदृश्य से जुड़े जोखिम भी शामिल हैं। इस दौरान निदेशक मंडल ने अप्रैल 2024 -मार्च 2025 के दौरान रिजर्व बैंक के कामकाज पर भी चर्चा की और वर्ष 2024-25 के लिए रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरणों को मंजूरी दी।

ध्वस्त हो चुकी है भारत की विदेश नीति : राहुल

NEW DELHI : शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के एक हालिया साक्षात्कार का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने जयशंकर के एक विदेशी पत्रकार को दिए गए साक्षात्कार के कुछ अंश वाला वह वीडियो फिर से पोस्ट किया, जिसे कांग्रेस ने अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया था। उन्होंने कहा, क्या जयशंकर बताएंगे कि भारत को पाकिस्तान के साथ क्यों जोड़ा गया है, पाकिस्तान की निंदा करने में एक भी देश ने हमारा समर्थन क्यों नहीं किया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के लिए किसने कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है।

गिरफ्तार आईएसएस विनय चौबे की हालत स्थिर, जांच के लिए रिम्स में मेडिकल टीम गठित

PHOTON NEWS RANCHI : शराब घोटाला मामले में झारखंड भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार किए गए वरिष्ठ आईएसएस अधिकारी विनय कुमार चौबे की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें रांची के रिम्स में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है और फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। रिम्स प्रशासन की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार उन्हें मेडिसिन विभाग के डॉ. ऋषि तुहिन गुड़िया की निगरानी में रखा गया है। इसके साथ ही उनकी जांच के लिए एक विशेष मेडिकल टीम गठित की गई है। इसमें डॉ अजीत डुंगडुंग (मेडिसिन), डॉ प्रज्ञा पंत (नेफ्रोलॉजी) और डॉ मृणाल कुंज (कार्डियोलॉजी) शामिल हैं। डॉ प्रज्ञा पंत द्वारा की गई किडनी जांच के बाद उन्हें पूर्व में दी गई दवाओं का सेवन जारी रखने की सलाह दी गई है। इसके अलावा उनके रक्त और मूत्र की नियमित जांच की जा रही है, जिसके आधार पर आगे की ट्रीटमेंट में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे।



शराब घोटाला मामले में अरेस्ट होने के बाद बिगड़ गई थी तबीयत

मेडिसिन विभाग के डॉ. ऋषि तुहिन गुड़िया की निगरानी में चल रहा इलाज

हाई बीपी और किडनी संबंधी परेशानी

बता दें कि उन्हें हाई ब्लड प्रेशर और किडनी संबंधी दिक्कतों की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। गौरतलब है कि विनय चौबे को पसीबी ने एक बड़े भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया था। उन पर पद का दुरुपयोग करने और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप हैं। गिरफ्तारी के बाद वे न्यायिक हिरासत में थे। फिलहाल स्वास्थ्य कारणों से उन्हें अस्पताल में रखा गया है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंगों में विस्फोट

AGENCY JAMMU : जम्मू-कश्मीर के पुछ जिले में आज नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास जंगल में लगी आग के कारण कई बारूदी सुरंगें फट गईं। इनमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नियंत्रण रेखा के पास जंगल में आग लगी और कृष्णा घाटी सेक्टर के पहाड़ी इलाके के बड़े हिस्से में फैल गई। जंगल में लगी आग के कारण इलाके में कई बारूदी सुरंगें फट गईं, लेकिन किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों के साथ सेना और वन विभाग के अधिकारी आग बुझाने के प्रयास कर रहे हैं।

जीवन की सुरक्षा शहरी क्षेत्रों में पेड़-पौधों का अभाव बना जान के लिए खतरा

हरियाली के दम पर गर्मी से होने वाली मौतों में आ सकती है कमी

PHOTON NEWS RESEORCH DESK : विकास की जरूरतों और समय के अनुसार शहरीकरण के नाम पर लंबे समय से जंगलों की कटाई हो रही है। इससे जैव संतुलन में व्यापक रूप से गड़बड़ी आई है। विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों और प्राणियों के आपसी संबंधों से बने पारिस्थितिकी तंत्र के स्वरूप और नेचर में परिवर्तन आया है। पूरी प्रकृति का इस तरीके से दोहन किया गया है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए संकट की स्थिति बन गई है। हरियाली के कारण वातावरण का तापमान संतुलित बने रहता है और जैसे-जैसे इसमें कमी आती है, वैसे-वैसे गर्मी बढ़ती है। इससे उत्पन्न बीमारियां लोगों की जान को खतरे में डालती हैं। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी सामने आई है कि यदि हरियाली बढ़ाई जाती है, तो गर्मी के कारण मौतों में कमी लाई जा सकती है। नए अध्ययन से यह पता चला है कि दुनियाभर के शहरों में अगर हरियाली को 30 फीसद तक बढ़ा दिया गया होता तो गर्मी से जुड़ी लगभग 11.6 लाख मौतों को रोक जा सकता था। यह खुलासा एक अध्ययन में सामने आया है।

कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण की भी रक्षा करती है हरियाली

जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न विपरीत परिस्थिति को नियंत्रित करते हैं पेड़-पौधे

शहरों में हरियाली को 30% बढ़ाकर लाखों जानों की हो सकती है हिफाजत

ऑस्ट्रेलिया की मोनाथ यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है विशेष अध्ययन

शोध के निष्कर्षों को द लैंडेटे च्लेनेटरी हेल्थ नामक जर्नल में किया गया है प्रकाशित



53 देशों के 830 स्थानों से प्राप्त मौसम व मृत्यु दर के आंकड़ों का किया गया है विश्लेषण

पर्यटन को भी बढ़ावा देती है हरियाली

यह तो हम सभी जानते हैं कि हरियाली यानी पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये हमें शुद्ध हवा देते हैं, प्रदूषण कम करते हैं और जलवायु को नियंत्रित करते हैं। हरियाली हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है, जिससे हमें तनाव कम होता है और हमारी रचनात्मकता बढ़ती है। हरियाली कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करती है, जिससे जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद मिलती है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो हरियाली पर्यटन को बढ़ावा देती है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य की दृष्टि से हरियाली की कमी का ज्यादा असर पड़ रहा है।

RAMGARH : धनबाद रेल मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रामगढ़ जिले के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर मोटा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इसके तहत मंडल के विभिन्न खण्डों के साथ-साथ धनबाद, गोमो, चन्द्रपुरा, कोडरमा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में भी गहन टिकट चेकिंग किया गया। वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक मो इकबाल ने शुक्रवार को बताया कि यह मोटा टिकट चेकिंग अभियान सुनिश्चित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 1021 यात्रियों को पकड़ा गया। इसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये एव सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे पांच लाख 97 हजार अठारह 730 रूपए जुमाने के रूप में राशि प्राप्त की गई। पकड़े गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हदयाव दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल, एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया।

ई। पिछले टर्म में दो बार नेता का चयन किया गया लेकिन परिणाम शून्य रहा।

समाचार सार

मृतकों के परिजनों को दी गई आर्थिक सहायता

JAMSHEDPUR : साकची कोर्ट गोलचक्कर के समीप 11 मई को एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार मोहित सोरेन और सुबेदार प्रसाद की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही भाजयुमो के जिला अध्यक्ष नितीश कुशवाहा ने संज्ञान लिया और पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए प्रयास शुरू किए। शुक्रवार को

भाजपा के जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, भाजयुमो जिला अध्यक्ष नितीश कुशवाहा तथा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश मंत्री सोनू ठाकुर के संयुक्त प्रयास से मृतक मोहित सोरेन की दो पत्नियों को 50,000 व 65,000 और सुबेदार प्रसाद के परिजनों को 1,00,000 की राहत राशि दी गई।

अरुणाचल की टीम ने किया पाथरा पंचायत का भ्रमण

JAMSHEDPUR : अरुणाचल प्रदेश की राज्य स्तरीय टीम ने पोषण अभियान योजना अंतर्गत पूर्वी सिंहभूम जिले के सुपोषित ग्राम पंचायत-पाथरा, बहरागोड़ा प्रखंड के आंगनबाड़ी केन्द्र नाकबेड़ा एवं पांकीसोल का भ्रमण किया। टीम के सदस्यों ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में वृद्धि निगरानी सत्यापन, केन्द्रों की आधारभूत संरचना का सत्यापन, खाद्य विविधता एवं केन्द्र में साफ-सफाई का अवलोकन किया। इस मौके पर अरुणाचल प्रदेश के आईसीडीएस की डिप्टी डायरेक्टर चांदन तांगबेज, स्टेट को-ऑर्डिनेटर अमित कुमार सिंह, कंसल्टेंट सुशील कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संध्या रानी, अंचल अधिकारी राजाराम सिंह मुंडा, पाथरा पंचायत की मुखिया राधी मुर्मु, पंचायत समिति सदस्य गौतम कुमार मन्ना व महिला पर्यवेक्षिका भी उपस्थित थीं।

जमशेदपुर के रंगमंच को हावड़ा में मिला सम्मान

JAMSHEDPUR : हावड़ा के रामराजतला स्थित बानी निकेतन में गत दिनों ऑल इंडिया कल्चरल फेस्टिवल का आयोजन द्वारा रामराजतल्ला स्थित बानी निकेतन हॉल, हावड़ा में देश भर की सशक्त नाट्य प्रस्तुतियां मंचित की गईं। इसमें जमशेदपुर की संस्था कलाकृति नाट्य मंच की प्रस्तुति म्यूजियम ऑफ स्पीशीज इन डेंजर को निर्णायकों ने तीन महत्त्वपूर्ण श्रेणियों में पुरस्कृत किया। इन्में सर्वश्रेष्ठ पार्श्व संगीत के लिए नितीश राय, लक्ष्मीकांत फिल्मस एंड म्यूजिक प्रा. लि. द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पूजा मुखी और सर्वश्रेष्ठ नाटक का (द्वितीय पुरस्कार) को मिला, जिसका निर्देशन प्रिया यादव ने किया। एक संग्रहालय की अवधारणा पर आधारित इस नाटक में समाज की वे रिश्तायें लुप्तप्राय प्रजातियों के रूप में प्रस्तुत की गईं, जिन्हें पीढ़ियों से दबाया, कुचला और भुलाया गया।

जमशेदपुर के रंगमंच को हावड़ा में मिला सम्मान

JAMSHEDPUR : हावड़ा के रामराजतला स्थित बानी निकेतन में गत दिनों ऑल इंडिया कल्चरल फेस्टिवल का आयोजन द्वारा रामराजतल्ला स्थित बानी निकेतन हॉल, हावड़ा में देश भर की सशक्त नाट्य प्रस्तुतियां मंचित की गईं। इसमें जमशेदपुर की संस्था कलाकृति नाट्य मंच की प्रस्तुति म्यूजियम ऑफ स्पीशीज इन डेंजर को निर्णायकों ने तीन महत्त्वपूर्ण श्रेणियों में पुरस्कृत किया। इन्में सर्वश्रेष्ठ पार्श्व संगीत के लिए नितीश राय, लक्ष्मीकांत फिल्मस एंड म्यूजिक प्रा. लि. द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पूजा मुखी और सर्वश्रेष्ठ नाटक का (द्वितीय पुरस्कार) को मिला, जिसका निर्देशन प्रिया यादव ने किया। एक संग्रहालय की अवधारणा पर आधारित इस नाटक में समाज की वे रिश्तायें लुप्तप्राय प्रजातियों के रूप में प्रस्तुत की गईं, जिन्हें पीढ़ियों से दबाया, कुचला और भुलाया गया।

इसमें जमशेदपुर की संस्था कलाकृति नाट्य मंच की प्रस्तुति म्यूजियम ऑफ स्पीशीज इन डेंजर को निर्णायकों ने तीन महत्त्वपूर्ण श्रेणियों में पुरस्कृत किया। इन्में सर्वश्रेष्ठ पार्श्व संगीत के लिए नितीश राय, लक्ष्मीकांत फिल्मस एंड म्यूजिक प्रा. लि. द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पूजा मुखी और सर्वश्रेष्ठ नाटक का (द्वितीय पुरस्कार) को मिला, जिसका निर्देशन प्रिया यादव ने किया। एक संग्रहालय की अवधारणा पर आधारित इस नाटक में समाज की वे रिश्तायें लुप्तप्राय प्रजातियों के रूप में प्रस्तुत की गईं, जिन्हें पीढ़ियों से दबाया, कुचला और भुलाया गया।

जिला कांग्रेस कार्यालय में बनाई जा रही दुकानें, शिकायत

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर रिटेल शॉप की कौर्स एसोसिएशन ने शुक्रवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल को ज्ञापन सौंपा, जिसमें शिकायत की गई है कि बिष्टुपुर में जिला कांग्रेस कार्यालय (तिलक पुस्तकालय) सड़क और पार्किंग एरिया की ओर दुकानें बनाई जा रही हैं, जो अनाधिकृत है। उपायुक्त से आग्रह किया गया कि इसे संज्ञान में लेकर यथोचित कार्रवाई की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में विपिन आडेसरा, सुरेश सोथालिया व भरत त्रिपाठी शामिल थे।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली कल

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से 25 मई को दोपहर 3 बजे साकची में पोस्टऑफिस के सामने संविधान बचाओ रैली निकाली जाएगी। इसकी तैयारी बैठक शुक्रवार को हुई, जिसमें जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि जिलास्तरीय संविधान बचाओ रैली को मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी के. राजू के अलावा सहप्रभारी सिरिबेला प्रसाद, सांसद गुरमीत सिंह सण्णल, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री राधाकृष्णन किशोर, विधायक राजेश कच्छप, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्यसभा के पूर्व सांसद प्रदीप कुमार बलमुचू व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार भी संबोधित करेंगे।

रोजगार मेला में 64 उम्मीदवार किए गए शॉर्टलिस्ट

SERAIKELA : जिला नियोजनालय सह मॉडल करियर सेंटर, सरायकेला-खरसावां के सौजन्य से राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, गम्हरिया में 22 और 23 मई को जिला नियोजनालय परिसर में रोजगार शिविर लगा था। इसमें विभिन्न पदों पर 64 उम्मीदवार शॉर्टलिस्ट किए गए। जिला नियोजन पदाधिकारी आलोक कुमार टोपनो ने बताया कि शिविर में रामकृष्णा फौजिंगस लिमिटेड, प्यूजन फार्मस लिमिटेड, टैलेन्टेक्सा प्राइवेट लिमिटेड एवं युवा शक्ति फाउंडेशन के अधिकारियों ने साक्षात्कार के माध्यम से रिलेशनशिप ऑफिसर, ट्रेनी, वेल्टर, मशीन ऑपरेटर, प्रोडक्शन असिस्टेंट व डाटा एंट्री ऑपरेटर सहित विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए चयन किया।

केयू की लापरवाही मई 2024 में शुरू होनी थी दाखिले की प्रक्रिया, लेकिन 2025 में भी विवि नहीं घोषित कर सका एडमिशन की तिथि

कोल्हान के लॉ कॉलेज में एक साल बाद भी नहीं शुरू हुई एडमिशन प्रक्रिया

PHOTON NEWS JSR :

जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में एलएलबी कोर्स के एडमिशन का इंतजार खत्म नहीं हो रहा है। सत्र 2024-27 का एक साल बीत चुका है। अब तक कोल्हान विश्वविद्यालय ने एडमिशन प्रक्रिया शुरू नहीं की है। पहले बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता मिलने में देर हुई। बीसीआई ने 4 फरवरी को मान्यता दे दी थी। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने कोल्हान विश्वविद्यालय को चार बार पत्र भेजा। हर बार एडमिशन प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई। अब बीसीआई की मान्यता मिलने के बाद भी एडमिशन प्रक्रिया शुरू नहीं की गई। न एडमिशन की तारीख घोषित की गई, ना कोई नोटिफिकेशन जारी हुआ। एलएलबी में दाखिला प्रवेश



जमशेदपुर को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज की फाइनलेट फोटो

परीक्षा के जरिए होता है। यह परीक्षा कोल्हान विश्वविद्यालय ही लेता है। ऐसे में एडमिशन की पूरी प्रक्रिया उसी के जिम्मे है। परीक्षा विभाग कोई फेसला नहीं ले रहा। इससे छात्र परेशान हैं। पहले ही सत्र 2024-27 करीब एक साल

पड़ोसी ने जमीन विवाद में 12 साल के बच्चे की गला रेतकर की हत्या

चाईबासा में घटना के बाद बढ़ा तनाव, आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में जमीन विवाद के कारण पड़ोसी ने 12 साल के बच्चे की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। यह घटना मुफरसिल थाना अंतर्गत जुगीदार गांव की है। इस घटना से गांव में तनाव है। मृतक की पहचान जुगीदार गांव निवासी सिकुर बानसिंह के 12 वर्षीय पुत्र अर्जुन बानसिंह के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि सिकुर बानसिंह का अपने पड़ोसी चंद्रमोहन बानसिंह के परिवार से जुमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इस जुमीन को लेकर दोनों पक्ष में कई बार विवाद हुआ है। मृतक के पिता सिकुर बानसिंह ने बताया कि गुरुवार शाम पत्नी के साथ बड़ालगिया हाट में समान खरीदने गया था। घर में उसकी छोटी बेटी 9 वर्ष अनिता



पोस्टमॉर्टम हाउस में बैठे मृतक के परिजन व गिरफ्तार में आरोपी



फोटोन न्यूज

बानसिंह और भाई अर्जुन बानसिंह था। इसी दौरान आरोपी चंद्रमोहन बानसिंह चाकू लेकर घर में घुसा और बेटे अर्जुन की गला रेतकर हत्या कर दी। इधर घटना के बाद से आरोपी फरार है। जब वह घर आया तो देखा कि उसका बेटा लहलुहान पड़ा हुआ है। मृतक के पिता के बयान पर मामला दर्ज करके पुलिस पूरे मामले की जांच-

पड़ताल में जुट गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जुगीदार गांव निवासी चंद्रमोहन बानसिंह को हिरासत में ले लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया हुआ चाकू भी बरामद कर लिया। पुलिस ने शांत कराया बवाल हत्या की सूचना मिलते ही मुफरसिल थाना प्रभारी चंद्रशेखर,

पुलिस अवर निरीक्षक मिथुन कुमार, यदुनंदन महतो, दशरथ टुडू सहित पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। फिर, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

घाटशिला में निकली तिरंगा यात्रा सेना के सम्मान में खूब लगे नारे

PHOTON NEWS GHATSILA :

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाला, जिसमें सेना के सम्मान में खूब नारे लगाए गए। भाजपा-ग्रामीण के जिला अध्यक्ष चंडीचरण साव के नेतृत्व में निकली यात्रा गोपालपुर फाटक से शुरू होकर घाटशिला मुख्य पथ होते हुए राम मंदिर तक गई। इस दौरान भाजपाई पाकिस्तान मुदाबांद, आतंकवाद मुदाबांद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद... के नारे लगाते हुए हाथ में नारे लिखे तख्ती लेकर चल रहे थे। कार्यक्रम में सांसद बिबुत बरण महतो भी शामिल हुए। सांसद ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का पनाहगार बन गया है, उसी के इशारे पर पहलगाम में हमारे निर्दोश पर्यटकों से धर्म पूछकर नृशंस



तिरंगा यात्रा में शामिल सांसद बिबुत बरण महतो व अन्य

फोटोन न्यूज

हत्या की गई। लेकिन इसके बाद हमारे वीर सैनिकों ने जिस प्रकार पाकिस्तान में घुसकर उसके आतंकी टिकानों को तबाह किया, उसे पाकिस्तान के साथ साथ कभी आतंकी संगठन भी भूल नहीं सकेंगे। इस मौके पर भाजपा नेता बाबूलाल सोरेन, लखन माडी, गीता मुर्मु, मनोज प्रताप सिंह, जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मु,

सत्या तिवारी, हराधन सिंह, राहुल पांडेय, सुजन मान्ना, कमल किशोर प्रसाद, शिवरतन अग्रवाल, कृष्ण शर्मा, सिद्धार्थ राय, कौशिक कुमार, मंदू प्रजापति, अमरजीत शर्मा, सुबोध सिंह, हेमंत नारायण देव, अनूप दास, संजय महाकुड, श्रुति देवगम, विवेक महापात्र, पिंटू साव, साकेत अग्रवाल, सुखेंद्र दास सहित काफी संख्या में आम नागरिक भी शामिल थे।

मईयां योजना की राशि के लिए महिलाएं पहुंचीं प्रखंड मुख्यालय



प्रखंड कार्यालय में विरोध जताने पहुंची महिलाएं

फोटोन न्यूज

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आसना पंचायत के रावताड़ा गांव के झाड़बेड़ा टोला की दर्जनों महिलाएं शुक्रवार को 25 किलोमीटर की दूर तय कर घाटशिला प्रखंड मुख्यालय पहुंचीं। उन्होंने मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि लंबे समय से नहीं मिलने की शिकायत करते हुए बीडीओ के नाम ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने बताया कि प्रारंभ में योजना की राशि दो बार प्राप्त हुई थी, लेकिन उसके बाद से राशि नहीं मिली। कहा कि वर्तमान में जो सूची बनी है, उसमें उनका नाम भी नहीं है। इसे लेकर महिलाओं ने नाराजगी जताई और नाम जोड़ने की मांग की। महिलाओं ने कांग्रेस प्रखंड कमेटी घाटशिला के कार्यकारी अध्यक्ष बुढान मुर्मु नेतृत्व में बीडीओ की अनुपस्थिति में कार्यालय के प्रधान सहायक को ज्ञापन सौंपा। मौके पर कांग्रेस के प्रदेश सचिव तापस चटर्जी, राजन बजराय, सुकुलमुनी मुर्मु, पानमुनी हेंब्रम समेत कई महिलाएं उपस्थित थीं।

आरटीआई कार्यकर्ता को धमकी देने से आक्रोश



JAMSHEDPUR : आरटीआई कार्यकर्ता संघ की उच्चस्तरीय बैठक शुक्रवार को संघ के उपाध्यक्ष सदन कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। साकची के पुराना कोर्ट परिसर स्थित बाल मजदूर सेवा संस्थान के कार्यालय में हुई बैठक में संघ के केन्द्रीय महासचिव कृतिवास मंडल को फोन पर धमकी देने और प्रशासन द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से आक्रोश व्यक्त किया गया। ठाकुर ने कहा कि इस मामले में पोटाका प्रखंड कार्यालय की सलिसला की जांच भी की जानी चाहिए, क्योंकि धमकी देने वाले ने पोटाका प्रखंड से मांगी गई सूचना का जिक्र किया है। तय हुआ कि 27 मई को संघ का प्रतिनिधिमंडल डीसी व एसएसपी से मिलेगा। बैठक में संघ के उपाध्यक्ष सह झारखंड मानव अधिकार संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार किन्नु, सचिव दिनेश कर्मकार, फौजी सर्येंद्र सिंह व कोषाध्यक्ष ऋषेंद्र केशरी भी शामिल थे।

छह सूत्री मांग को लेकर पूर्व सैनिक ने एसडीओ ऑफिस पर शुरू किया अनशन धार्मिक स्थल पर प्रतिबंधित मांस फेंकने के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

PHOTON NEWS GHATSILA : धार्मिक स्थल में प्रतिबंधित पदार्थ फेंकने के आरोपी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने समेत अन्य 6 सूत्री मांग को लेकर शुक्रवार को बीएसएफ के सेवानिवृत्त जवान सह जिला सर्तकता एवं निगरानी समिति के सदस्य विमल सिंह मुंडा ने अनुमंडल कार्यालय के सम्मक्ष अनशन शुरू किया है। विमल सिंह मुंडा ने कहा कि घालभूमगढ़ के नरसिंहगढ़ में धार्मिक स्थल पर अस्माजिक तत्वों द्वारा दो-दो बार प्रतिबंधित मांस फेंककर धार्मिक भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया था। इस दौरान जमकर बवाल भी हुआ। लोगों के आक्रोश को कम करने के लिए प्रशासनिक अधिकारी ने 48 घंटा के अंदर दोषियों को पकड़ने का



अनुमंडल कार्यालय के बाहर धरना एवं बैठे पूर्व सैनिक

फोटोन न्यूज

आश्वासन दिया था, लेकिन घटना के एक साल बाद भी एक भी अपराधी को पुलिस पकड़ नहीं पाई। उनकी अन्य मांगों में महलीशोल पंचायत अंतर्गत विहिन्दा गांव निवासी समाय मुर्मु ने जमीन ऑनलाइन एंट्री कराने के लिए छह साल पहले आवेदन दिया था, लेकिन आज तक नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि बैंक में विथड्रॉल व डिपोजिट फार्म पर

हस्ताक्षर कराना बंद किया जाए, बैंक से लाभुकों का पैसा अपने आप निकाली हो रहा है, उसे बंद किया जाए। बुजुर्गों को हर माह पेंशन का निश्चित भुगतान किया जाए। इन सभी मांगों को प्रशासन जब तक पूरा नहीं करेगा, उनका अनशन जारी रहेगा। अनशन स्थल पर पूजा-अर्चना करने के बाद तीर-धनुष लेकर वह अनशन पर बैठे हैं।

चक्रधरपुर में दूसरे दिन भी चला अतिक्रमण हटाओ अभियान



दुकानों का छज्जा तोड़ता बुलडोजर

फोटोन न्यूज

बिना किसी वजह के एडमिशन में इतनी देरी करना एक अपराध है। इससे कॉलेज की साख को नुकसान होता है, क्योंकि कोई भी छात्र ऐसे कॉलेज में दाखिला नहीं लेना चाहेगा, जहां एडमिशन से लेकर सत्र तक लेट हो। लेकिन को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज में पिछले तीन-चार साल से ऐसा हो रहा है। यही वजह है कि एक समय इस कॉलेज में एडमिशन के लिए मारामारी होती थी। अब वहीं छात्र दाखिला लेने आते हैं, जिनका कहीं एडमिशन नहीं होता है या वे बाहर एडमिशन नहीं ले पाते हैं।

- अमर तिवारी, छात्र

CHAKRADHARPUR : राजबाड़ी रोड, कपड़ा पट्टी, पुराना रांची रोड में चला। अभियान के दूसरे दिन शुक्रवार को पोड़ाहाट अनुमंडल के कार्यपालक दंडाधिकारी जितेंद्र गुप्ता की मौजूदगी कार्रवाई हुई। वहीं मौके पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राहुल यादव, सिटी मैनेजर राहुल अम्बिक समेत काफी संख्या में नगर परिषद के कर्मों और पुलिस जवान मौजूद थे।

आतंकवाद के जो साथ रहेगा, भारत उसका विरोध करेगा



होने का अनुमान है,ये तो वो नुकसान नजर आ रहा है, लेकिन तुर्किए को भारत के खिलाफ जाने का अप्रत्यतक्ष रूप से भी आर्थिक नुकसान होगा। तुर्किए एवं अजरबैजान की यात्राओं के बहिष्कार के संबंध में कैट ट्रेवल एंड टूर ऑपरेटर्स संगठनों सहित विभिन्न अन्य संबंधित वर्गों से सम्पर्क कर इस अभियान को तेज करेगा, उधर दूसरी ओर तुर्की और अजरबैजान के साथ व्यापार बंद करने के मुद्दे पर अंतिम निर्णय आगामी 16 मई को कैट द्वारा नई दिल्ली में आयोजित देश के प्रमुख व्यापारी नेताओं के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में लिया गया है। अजरबैजान में भी काफी भारतीय पर्यटक पहुंचते हैं, जिससे वहां की अर्थव्यीवस्था को काफी समर्थन मिलता है, उन्होंने बताया कि साल 2024 में कुल विदेशी आगमन लगभग 2.6 मिलियन पर्यटक था,जिसमें भारतीय पर्यटकों की संख्या लगभग 2.5 लाख थी और प्रति भारतीय पर्यटक औसत खर्चः 2,170 एजेडएन था, जो लगभग 1,276 डॉलर होता है, इस लिहाज से भारतीय पर्यटकों का खर्च 308.6 मिलियन डॉलर के लगभग अजरबैजान में होता है, भारत अगर तुर्किए और अजरबैजान की इन दुकानों को बंद कर देता है, तो आर्थिक नुकसान होने से इन्हें अपनी नीतियों पर फिर से विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, इन देशों के होटल, रेस्तरां, टूर ऑपरेटर, और अन्य संबंधित व्यवसायों को भी नुकसान होगा। व्यापारियों के संगठन, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने भी ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर पाकिस्तान के लिए तुर्की और अजरबैजान के हालिया समर्थन का हवाला देते हुए, उनके साथ सभी व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों का बहिष्कार करने का फैसला किया है।सीएआईटी ने शुक्रवार को कहा कि इस निर्णय में तुर्की और अजरबैजानी वस्तुओं का राष्ट्रव्यापी बहिष्कार शामिल है, और भारत भर के व्यापारी इन देशों से आयात रोक रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारत पाक तनाव व युद्ध में पाक को समर्थन करने वाले देशों को 2 तो, पहलगाम हमले

के बाद बदलते हालात के बीच तुर्की ने पाक के समर्थन का ऐलान किया था। तुर्की के राष्ट्रपति ने पाक पीएम से बात कर उन्हें हर तरह की मदद की बात कही थी। ऐसी भी खबरें हैं कि तुर्की ने मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमानों के जरिए पाक को हथियारों की बड़ी खेप भेजी है। हालांकि, तुर्की ने इसका खंडन किया है। इतना ही नहीं, भारत से तनाव के बीच तुर्की के एयरफोर्स के कमांडर और खुफिया एजेंसी के प्रमुख ने पाक का दौरा भी किया था।भारत से तनाव के बीच चीन ने खुलकर पाक का समर्थन किया था। चीन ने कहा था कि वह पाकिस्तान की संप्रभुता का समर्थन करेगा और उसके साथ दोस्ती को कायम रखेगा। उसने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की पाक की मांग का समर्थन भी किया था। गुरुवार को चीनी राजदूत ने पाक पीएम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ने चीनी राजदूत को भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए तनाव के बारे में जानकारी दी। इस दौरान राजदूत ने कहा कि चीन पाक की वैध सुरक्षा चिंताओं को समझता है और राष्ट्रीय संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए उसके प्रयासों का समर्थन करता है। अजरबैजान और पाक की दोस्ती जगजगहिर है। दोनों देश इस्लाम के नाम पर एक दूसरे का समर्थन करते हैं। अजरबैजान ने भी भारत से तनाव के बीच पाक का समर्थन किया। उसने कश्मीर को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का राम अलापा और शांति की अपील की। अजरबैजान ने पहलगाम हमले की पाक की अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की है और युद्ध की जगह वार्ता के जरिए समाधान तलाशने पर जोर दिया है।

साथियों बात अगर हम दोनों देशों के तनाव में भारत को समर्थन करने करने वाले देशों की करें तो, इजरायल ने पाक के साथ तनाव के बीच खुलकर भारत के समर्थन का इजहार किया है। पहलगाम हमले के तुरंत बाद इजरायल के पीएम भारत में इजरायली दूतावास, राजदूत और दूसरे वरिष्ठ इजरायली नेताओं ने इसकी निंदा की।उन्होंने भारतीय पीएम से बात कर अपनी संवेदना और समर्थन का इजहार भी

किया। गाजा पट्टी में हमास के साथ युद्ध में उलझने के बावजूद इजरायल ने भारत को हर तरह की मदद का भरोसा दिया है।पहलगाम हमले के बाद इटली ने भी भारत का समर्थन किया है। इटली की पीएम ने इस घटना पर दुख जताया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इटली ने भारत को हर तरह के समर्थन का ऐलान भी किया है। जॉर्जिया मेलोनी के कार्यकाल में भारत और इटली के द्विपक्षीय संबंध काफी मजबूत हुए हैं। इटली यूरोपीय यूनियन का एक प्रमुख देश है। फ्रांस ने भी पहलगाम हमले के बाद भारत का समर्थन किया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने पहलगाम हमले पर दुख जताया था और भारत को हर संभव मदद का ऐलान किया था। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही थी। फ्रांस दुनियाँ की महाशक्तियों में से एक होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य भी है। वह भारत का एक प्रमुख रक्षा साझेदार भी है।

साथियों बात अगर हम भारत के खिलाफ चीन के हवाई सुरक्षा सैटेलाइट व खुफिया जानकारी पाक को साझा करने की करें तो, जब भारत और पाकिस्तान की सेनाएं एक-दूसरे पर भारी पड़ने की आशंका में थीं, तब कोई तीसरा खिलाड़ी चुपके से मैदान में उतर आया। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली के सेंटर फॉर ज्वाइंट वाफेयर स्टडीज ने खुलासा किया कि चीन ने पाक को हवाई सुरक्षा, सैटेलाइट सपोर्ट और खुफिया जानकारी देकर इस जंग में उसका साथ दिया। चीन के सैटेलाइट के बदौलत पाक भारत के शहरों में ड्रोन और मिसाइल अटैक कर रहा था।

साथियों बात अगर हम भारत के विरोध के कारण आईएमएफ द्वारा 18 मई 2025 को पाक के खिलाफ और 11 शतें लागू करने की करें तो भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच पाक को भारी-भरकम कर्ज देने के बाद अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को अब शायद अपना पैसा डूबने का कारण महसूस होने लगा है. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक,इसके चलते आईएम एफ ने अपने बेलआउट पैकेज की अगली किस्त जारी करने के लिए पाकिस्तान पर 11 नई शतें लगाई हैं और इसके बाद ढं' पर कुल शतें बढ़कर 50 हो गई हैं। आईएमएफ की ओर से पाक को दो टुक कद दिया गया है कि अगर ये शतें पूरी नहीं होती हैं, तो फिर उसे अगली किश्त जारी नहीं हो सकेगी

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेष विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किआतंकवाद के जो साथ रहेगा,भारत उसका विरोध करेगा - भारत के 7 डेलिगेशन बनाम पाक का 1 शांति दूत।चीन, तुर्कीए, अजरबैजान...पाक के भाईजान की बंद होगी भारत में दुकान-बॉयकॉट,ट्रेड, ट्रेवल्स व सामानवैश्विक स्तरपर अब भारत की आतंकवाद के खिलाफ स्ट्राइक-7 डेलिगेशन से घेराबंदी,समर्थक देश की आर्थिक पाबंदी,न झुकेंगे न रुकेंगे की नीति सराहनीय।

संपादकीय

अंतिम चरण में माओवाद

छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षाबलों ने सप्ताइस माओवादियों को मार गिराया। पुलिस के अनुसार ये माओवादी बस्तर के नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़क्ष जिलों की सीमा पर हुई मुठभेड़, में मारे गए। इसमें एक जवान शहीद हुआ, जबकि कई अन्य घायल हैं। पिछले कई दिनों से जारी अभियान के दौरान कई वरिष्ठ स्तर के माओवादी कैदुर मारे गए, जिनमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का महासचिव बसवराजू भी मारा गया। हालांकि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, 'नस्लवाद की लड़ाई में ऐतिहासिक उपलब्धि। एक ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को मारा है। जिनमें बसवराजू भी शामिल है।' शाह ने एजेंसियों की तारीफ करते हुए 54 नक्सलियों के गिरफ्तारी की बात भी की, परंतु विशेषज्ञों का दावा है, इसे माओवाद के खातमें के रूप में देखना जल्दबाजी होगा। भाजपा सरकार छत्तीसगढ़, बिहार, तेलंगाना के लेकर महाराष्ट्र तक नक्सलियों का सफाया करने के लिए कमर कस चुकी है। बोते पंद्रह महीनों में माओवादियों के खिलाफ चल रहे सघन ऑपरेशन में चार सौ से ज्यादा संधिध नक्सलियों के मारे जाने का भी दावा किया जा रहा है। इससे पहले सुरक्षा बलों ने दावा किया था कि माओवादियों के 214 बचे व ठिकाने नष्ट किए जा चुके हैं। जहां से भारी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद किया गया। दरअसल, मौजूदा वक्त में यह आंदोलन अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। राज्य सरकार द्वारा शांति वार्ता की बात बार-बार की जा रही है। मगर साथ ही सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन भी तेज कर दिए जाते हैं। इसी साल जनवरी में छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुए विस्फोट में आठ सुरक्षाकर्मि व एक आम आदमी मारा गया था। सरकार की कड़ाई के चलते नक्सलियों का संगठन जरूर कमजोर पड़ रहा है। उनको मिलने वाली आर्थिक मदद भी चरमपाई है, मगर उनका ढांचा काफी मजबूत है। नौजवानों का नक्सलवाद के प्रति आकर्षण भी तेजी से कमजोर पड़ा है। अब उन्हें नई पीढ़ी के स्थानीय नौजवानों को प्रशिक्षण के लिए राजी करना मुश्किल होता जा रहा है। जो पढ़-लिखकर कर नौकरियां तलाशते हैं और अपने जीवन स्तर को सुधारने के प्रति सजग हो रहे हैं।

चिंतन-मनन

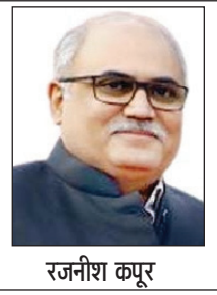
प्रतिभा और ज्ञान

एक संत को जंगल में एक नवजात शिशु मिला। वह उसे अपने घर थे आए। उन्होंने उसका नाम जीवक रखा। उन्होंने जीवक को अच्छी शिक्षा-दीक्षा प्रदान की। जब वह बड़ा हुआ तो उसने संत से पूछा, गुरुजी, मेरे माता-पिता कौन हैं? संत को जीवक के मुँह से यह सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ लेकिन उन्होंने उसे सच बताने का निश्चय किया और बोले, पुत्र, तुम मुझे घने जंगलों में मिले थे। मुझे नहीं मालूम कि तुम्हारे माता-पिता कौन हैं और कहाँ हैं? जीवक अत्यंत उदास होकर बोला, गुरुजी, अब आत्महीनता का भार लेकर अपने पास ही नहीं रख सकते? उसकी बात सुनकर आचार्य बोले, पुत्र, इस बात से दुखी होने के बजाय तुम तपश्शिला जाओ और वहां विद्याध्ययन करके अपने ज्ञान के प्रकाश से संपूर्ण समाज को आलोकित करो। जीवक अध्ययन के लिए चल पड़ा। वहां पहुंचकर वहां के आचार्य को उसने अपने बारे में सब कुछ बता दिया। आचार्य ने उसकी स्पष्टवादिता से प्रभावित होकर उसे विश्वविद्यालय में प्रवेश दे दिया। जीवक वहां पर कठोर परिश्रम के साथ विद्या प्राप्त करने लगा। वहां उसने आयुर्वेदचार्य की उपाधि प्राप्त की। संपूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के बाद एक दिन आचार्य जीवक से बोले, पुत्र, अब तुम अपने पास ही नहीं रख सकते? उसकी बात सुनकर आचार्य बोले, वत्स। तुम्हारी प्रतिभा और ज्ञान ही तुम्हारा कुल-गौरव है। इन्हीं से तुम्हें सम्मान मिलेगा। आचार्य की बातों ने जीवक को नई दिशा दिखाई और वह मगध आ गया। वहां उसने लगन और मेहनत से काम किया। कुछ ही समय में वह पूरे मगध में आयुर्वेदचार्य के रूप में प्रसिद्ध हो गया।



संजय गोस्वामी

आज हिंदी में कार्यरत वैज्ञानिक संस्थान को प्रोत्साहित करने की जरूरत है इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर की संस्थान,हिं वि सा परिषद यानी हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के नई कार्यकारी का गठन 18.05.25 को भाभा पार्क अनुशक्तिनगर में सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ औ 2 12बजे खत्म हुआ आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है।जो मातृभाषा में करना आवश्यक है हमारे जीवन की छोटी-बड़ी हर घटना का संबंध विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़ा हुआ है। आज हम चाहेकर भी मोबाइल, इंटरनेट, टीवी, स्कूटर, कार, बस और ट्रेन से अपने को दूर नहीं रख सकते। अब आप बताइए ये सभी सामन विज्ञान और प्रौद्योगिकी की देन हैं या नहीं? आपका जवाब हां में होगा। सभ्यता के आरंभिक चरण, कृषि और औद्योगिक क्रांति के बाद वर्तमान में हम प्रौद्योगिकी तथा सूचना क्रांति के युग में जी रहे हैं। लोगों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संबंध में जानकारी देना आज एक अहम आवश्यकता बन गई



रजनीश कपूर

मई 16, 2025 को सर्वोच्च अदालत ने एक 25 साल पुराने विवाद पर अंतिम फैसला सुनाया, जिसमें इस्कॉन बेंगलुरु को बेंगलुरु के प्रसिद्ध हरे कृष्ण मंदिर का स्वामित्व प्रदान किया गया, जबकि इस्कॉन मुंबई के इस संपत्ति पर दावे को खारिज कर दिया गया। आज यह फैसला उन हजारों भक्तों की जीत है जो श्रील प्रभुपाद को ही इस्कॉन का एकमात्र आचार्य मानते हैं। हम अपनी सारी संपत्तियां इस्कॉन मुंबई के हवाले करने को पहले दिन से तत्पर रहे हैं। हमारी केवल एक ही शर्त है कि इस्कॉन में केवल प्रभुपाद ही आचार्य माने जाएं बाकी उनके आदेशानुसार 'द्विऋत्त्वक' की भूमिका निभाएं। 1966 में न्यूयॉर्क में एक गौड़ीय वैष्णव संत श्रील प्रभुपाद 'इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्ण कान्थासनेस' (इस्कॉन), की स्थापना की गई थी, जिसे आज पूरा विश्व 'हरे कृष्ण आंदोलन' के नाम से जानता है। इस्कॉन ने विश्व भर में भगवान कृष्ण की भक्ति और वैदिक संस्कृति को फैलाने में महत्त्वपूर्ण

हिंदी में कार्यरत वैज्ञानिक संस्थान को प्रोत्साहित करने की जरूरत

है। भारतीय सिन्धुधान के अंतर्गत भी इसे एक मूलभूत कर्तव्य का दर्जा प्राप्त है। विज्ञान साहित्य और इसके लेखन को लोकप्रिय विज्ञान या लोकविज्ञान साहित्य कहते हैं। इसका महत्व किसी भी भाषा के साहित्य से कम नहीं होता। क्योंकि एक विज्ञान लेखक के पास साहित्य और लेखन कौशल के साथ विज्ञान की प्रमाणिक जानकारी भी होती है। वास्तव में विज्ञान लेखन साहित्य का अभिन्न हिस्सा है और इस विज्ञान साहित्य का सृजन वैज्ञानिक जानकारी और साहित्यिक तत्वों के संयोग या सम्मिलन से होता है। विज्ञान रिपोर्ट, विज्ञान लेख, विज्ञान समाचार, विज्ञान कथा, विज्ञान नाटक, विज्ञान रूपक, विज्ञान उपन्यास विज्ञान लेखन की विभिन्न धाराएं होती हैं।हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची है जो इन उद्देश्यों को पूर्ण कर सकती है नई कार्यकारिणी 25-27 हेतु सभी चर्चित उम्मीदवार के परिणाम प्रस्तुत किए गए -जो निम्न है अध्यक्ष - कृष्ण कुमार वर्मा - उपअध्यक्ष - ब्रजेश कुमार सिन्हा,सचिव,शेर सिंह मीणा, संजय गोस्वामी -संयुक्त सचिव,राज कुमार डाबर -कोषाध्यक्ष बी.एन मिश्र -

संयुक्त कोषाध्यक्ष,सदस्य हेतु डॉ सुभाष दोन्डे,अश्विनी कुमार मिश्र,संजु वर्मा, राजेश कुमार सचान - अनिल अहिरवार प्रकाश कश्यप - आलोक कुमार त्रिपाठी आदि निर्विरोध चुने गए हैं 18 मई 25 को आम सभा में चुनाव अधिकारी ने आवेदकों का नाम आम सभा में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जिसे आम सभा में परिषद के सभी सभी लोगों एक मत अनुमोदन किया जिसके बाद में वैज्ञानिक के नए संपादक मंडल व व्यवस्थापन मंडल के सदस्य बाद में नई कमिटी द्वारा बनाए जायेंगे व परिषद के सचिव श्री सत्य प्रभात प्रभाकर व सह सचिव श्री राजेश कुमार ने नई कार्यकारिणी के सदस्यों को वर्तमान कार्यकारिणी को अब परिषद के आगे के कार्यक्रम के बारे में बताया जो सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वीकार किया परिषद के सभी आजीवन सदस्यों ने आम सभा, जो भाभा पार्क, अजुर्गनाकिनगर में 10:30 बजे सुबह उपस्थित रहें उसमें सभी ने परिषद के कार्यों की सराहना की हिन्दी विज्ञान की लोकप्रिय पत्रिका वैज्ञानिक से जुड़े नव विज्ञान लेखक, प्रोफेसर, वैज्ञानिक और इंजीनियर ने सभी पाठकों और सृजनशील व्यक्तियों के निरंतर सहयोग, स्नेह, विश्वास और वैज्ञानिक से लगाव रहा है। इसके मुख्य संपादक श्री राजेश कुमार मिश्र हैं व संपादकीय बोर्ड के सदस्य सर्वश्री, राजेश कुमार, के-के वर्मा, डॉ संजय कुमार पाठक व वैज्ञानिक के व्यवस्थापक ,सर्वश्री श्री नवीन त्रिपाठी, बी.एन. मिश्र,अनिल अहिरवार, प्रकाश कश्यप, बन्धई के पात्र हैं। विज्ञान साहित्य का ऐसा मिला-जुला ढंग उस साहित्य के सृजन में सहायक होता है जो पूर्णतः

भौतिकवादी होता है तथा शुद्ध कला का निर्माण नहीं करता है। हिंदी विज्ञान की पत्रिका वैज्ञानिक का योगदान विज्ञान संचार हेतु जरूरी है ताकि इससे नवविज्ञान लेखकों की एक वैज्ञानिक मंच मिल सके। हिंदी में विज्ञान संचार हेतु हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद का 55वर्षों से अधिक का लम्बा इतिहास रहा है राष्ट्रभाषा हिंदी आपसी सहयोग, साहचर्य एवं प्यार की भाषा है। इसे विश्वसमुदाय में स्थापित करना इन मूल्यों के संवर्द्धन हेतु अत्यंत लाभप्रद होगा।हिंदी को विश्वभाषा बनाने के मकसद से परिषद ने दो महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। विज्ञान संस्थाओं में हिंदी व हिंदी माध्यम से इंजीनियरिंग के विभिन्न अध्ययन व अनुसंधान के लिए परिषद की पत्रिका वैज्ञानिक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है यह एक विज्ञान लेखक की महारत या दक्षता होती है और इसे किसी मायने में कमतर आँका जाना उचित नहीं है। हमें इस बात का भी संज्ञान अवश्य लेना होगा कि कालांतर में हिंदी और दूसरी भाषाओं के अनेक साहित्यकारों ने स्वयं वैज्ञानिक लेखन किये हैं तथा समाज के लिए इसके महत्व को रेखांकित करते रहे हैं।।पूर्व में परिषद के अध्यक्ष भारत के मशहूर वैज्ञानिक डॉ. पी.के. अयंगर पूर्व अध्यक्ष एईसी व भारत के महत्वपूर्ण वैज्ञानिक भी थे परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. पी. के. अयंगर, परमाणु उपकरण के अध्यक्ष विमलेश के पीछे मुख्य वैज्ञानिकों में से एक थे, जिसने 18 मई, 1974 को पोखरण क के साथ भारत को परमाणु मानचित्र पर ला खड़ा किया। उन्होंने 40 वर्षों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में काम किया।



कमीशन (जीबीसी) ने नई गुरु प्रणाली शुरू की, जिसमें वरिष्ठ भक्तों को हृदीक्षा गुरु ' नियुक्त किया गया। यह प्रणाली ईसाइयों के वेटिकन मॉडल की तरह सहमति और मतदान पर आधारित थी, जिसे उन्होंने 'लोकतांत्रिक' कहा, जबकि भारत की सनातन परंपरा में गुरु का पद भगवान समान माना जाता है और ऐसा पद प्राप्त करने के लिए साधना और उस संप्रदाय की परंपरा के आचार्य का आदेश सर्वोपरि होता है। अपना प्रचार करके चुनाव में ज्यादा वोट पाकर गुरु बनना सनातन धर्म के मूल सिद्धांत का मजाक है। इस्कॉन के लाखों भक्तों को इस तथ्य का पता नहीं है इसलिए वे जीबीसी में होने वाले आंतरिक चुनाव जीतने वालों की ही अपना गुरु माने बैठे हैं। कोर्ट का फैसला इस्कॉन बेंगलुरु के लिए कानूनी जीत नहीं है, बल्कि प्रभुपाद की त्रिचक्क प्रणाली और उनकी आध्यात्मिक विरासत को बनाए रखने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

As Voltaire said, ‘The (Pak) army has a nation’

THERE is something about epigrams, coined for different contexts and geographies, and the explanatory and analytical capacity they show with regard to Pakistan. The elevation of General Asim Munir to Field Marshal status readily evokes French political philosopher Voltaire, who, in describing central Europe in the 18th century, had noted: "Some states have an army, the Prussian army has a state." For those who study Pakistan, this seems unusually apposite to describe a Prussian-type entity from the mid-20th century South Asia. Similarly, British historian AJP Taylor, characterising Germany during the 1848 "revolutions" in Europe, had noted of that conjuncture: "German history reached its turning point and failed to turn." Again, this seems a tailor-made analysis of our western neighbour and the numerous times that it has continued on a particular path, notwithstanding all expectations that it was on the threshold of change. Thus, quite regardless of its breakup in 1971 or numerous other traumas such as the assassination of Benazir Bhutto in 2007, Pakistan's tryst with the military and with terrorism has continued undeterred.

Natwar Singh, former High Commissioner to Pakistan, former Foreign Minister and a gifted litterateur and writer, also realised the value of epigrams to capture that frustrating and enigmatic quality of India-Pakistan relations. "The future lies in the past," he once cryptically noted about the inner dynamic of India-Pakistan relations.

Has the recently ended 17-day crisis in April-May 2025 caused by a most egregious terrorist attack on innocent tourists altered that dynamic? Some novel elements do stand out in the otherwise sterile and repetitive world of India-Pakistan relations. The announcement regarding keeping the Indus Waters Treaty in abeyance fans a key Pakistani anxiety. Its message is equally clear — providing sanctuary and support to terrorist groups means that no aspect of the India-Pakistan interface will be left untouched. For most, perhaps all, Pakistanis, this announcement is the ultimate act of bad faith and the conviction that its lower riparian rights are being trampled upon. To many Indians, this was a long overdue measure and its delayed invocation only underlines the latitude Pakistan has enjoyed to provoke and harm India. The May 7 strikes on Muridke, Bahawalpur and other locations also represent a change. In the past, as in the case of the 2016 surgical strikes or the 2019 Balakot air strike, the targets were either adjoining the border or the LoC or relatively remote places. The May 7 locations were hardly that. The underlying message is also self-evident — that India's counter-terrorism response would henceforth cover the whole of Pakistan and no part of its territory can be considered safe sanctuary for terrorist groups. How strongly have these messages registered? It is tempting to think that the alacrity with which Pakistan accepted the cessation of hostilities suggests that it has understood a new reality has emerged. But such a conclusion may also be premature.

To many Pakistanis, India has behaved in much the same way as it always has and nothing therefore has changed. Insofar as the mood in Pakistan can be read, it appears bellicose about having stood up to "India's aggression" both militarily and diplomatically. To a narrower but still significant section, the fact that the United States has spoken at the highest levels about mediating in the Kashmir dispute and that the IMF tranche release went through without a hitch despite India's opposition suggests that Pakistan has come out on top from the April-May crisis. This may well be delusional, but a certain amount of this kind of thinking has always had deep roots in Pakistan. In any event, there is so far little sign of it being chastened or introspective about where its policies are leading the country. If there are contrary sentiments, for the moment at least, they remain deeply buried and are not visible to the outside world. That the two countries can read a particular set of events completely differently is also not new. Indian and Pakistani narratives about 1965, 1971, Kargil, and in fact of each of the crisis situations that have occurred in the past, remain radically opposed.

Toppers & losers: What our education system has got wrong

After the CBSE and other board exams results, the 'toppers' are in the news once again. but we fail to notice the agony of the 'losers'.

We love to hear tales of success. Not surprisingly then, after the CBSE and other board exams results, the 'toppers' are in the news once again. Indeed, a topper's 'perfect' score of 500/500 hypnotises us. As we mythologise these toppers, transform them into instant celebrities, and find ourselves elated in imagining their future life trajectories — say, from their admission to 'top ranking' medical/engineering colleges/universities to appropriate placements with lucrative packages, we fail to notice the agony of the 'losers'. Possibly, many of us like to believe that the losers are losers because they have not worked hard, or they are not 'intelligent' enough to master the lessons of science, mathematics, history or English grammar.

However, as a teacher, I have no hesitation in saying that the system of education we have normalised has failed everybody. It does not matter whether one is a 'topper' or a 'loser'. In fact, when a CBSE topper says that s/he studies for 20 hours every day, it ought to frighten us. Think of it. Should this be the daily routine of an 18-year-old young student — nothing beyond roaming around coaching centres, taking 'last-minute suggestions' from private tutors, writing endless mock tests? And, to consider everything else — be it football, music, cinema, painting and poetry — as a 'waste' of Or, think of the fate of yet another 'topper' of the West Bengal Board of Secondary Education. "Our son has 12 private tutors," his parents declared with absolute pride as mediapersons asked them for the 'secret' behind his success. s it that in the process of achieving 'success' and becoming a 'topper', our adolescents are losing their wonder years, and damaging the spirit of wonder, play, creativity and sensitivity to life?

It is, therefore, not surprising that seldom do we find these toppers having an alternative imagination, or a vision of life that is qualitatively different from the standardised notion of success. nterview these toppers at random, and ask them what they wish to do in life. It is quite likely that most of them will give you the kind of answer you can easily predict: "I want to become a doctor, an engineer, or an IAS officer."



imagination. It is not difficult to understand that here is a system of education that is biased towards those who have sufficient wealth to buy it as a commodity. No wonder, many of the 'losers' are those whose parents cannot afford to hire, say, private tutors for every subject, or send them to the traders of physics, chemistry, mathematics and biology for buying attractively packaged 'success manuals'. Not solely that. The 'losers' are possibly the ones the prevalent practice of education has never bothered to understand. Possibly, some of them never wanted to study algebra and trigonometry; possibly, they disliked

the teacher's monologue in the classroom; and, possibly, they wanted to do practical things with their hands and legs. Or, who knows, some of these 'losers', instead of dissecting a poem in the boring English class, might have wanted to watch the sunset from the school terrace and experience that extraordinarily sublime poetic moment?

Possibly, some of these 'losers' could have realised their hidden potential had they found educationists inspired by the likes of John Dewey, Mohandas Karamchand Gandhi, Rabindranath Tagore and Jiddu Krishnamurti. But then, our regimented school culture, our official curriculum and our utilitarian coaching centres know nothing beyond the assembly-line production of one-dimensional conformists — almost like robotic machines. No wonder, those who can't adjust to this system are destined to carry the stigma of failure. There is no dearth of corporate-sponsored educationists in our times. And it is quite likely that they will remind these toppers that they should now get the kind of education that equips them with the 'skills' the techno-corporate empire needs. In other words, they will be persuaded to believe that the primary objective of their higher education ought to be some sort of training for future jobs. In other words, for these educationists, universities need to redesign their curriculum as per the needs of the industry. As this market-driven technocratic thinking begins to colonise their worldviews, they might quickly master the techniques of artificial intelligence, data sciences and robotics and earn a lot as they are tempted to become

compliant workers. But then, who will tell them that education is not merely a training for jobs? The meaning of being truly educated, as Noam Chomsky spoke in one of his excellent lectures, is to acquire the power of critical thinking so that one can question the very rationale of a violent/exploitative social order, and strive for an egalitarian/humane/just world. It is really sad that even the 'toppers' who emerge from the prevalent system of education are essentially losers as they remain deprived of the redemptive power of this sort of libertarian education.

Killing of top Maoist leader in Chhattisgarh: A turning point

This is a major setback for left-wing extremist forces. Government must seize the opportunity, keep vigil

Since it assumed office in December 2023, Chhattisgarh's Vishnu Deo Sai government has mounted a concerted offensive against Maoist militants. Last year, 219 left-wing extremists (LWE) were killed, the highest in a year since the formation of the state. The operations intensified this year. On Wednesday, in perhaps the most significant anti-Maoist offensive in recent years, CPI (Maoist) general secretary Nambala Keshava Rao, alias Basavaraju, along with 26 other Maoist cadres, was killed. Basavaraju played a key role in some of the most brutal Maoist operations in the past 15 years, including the 2010 massacre that claimed the lives of 76 CRPF jawans and the 2013 Jhiram Ghati attack, which wiped out almost the entire Congress leadership in the state. In the past year-and-a-half, however, the extremists suffered a string of reverses in operations spearheaded by Basavaraju. Now, the CPI (Maoist) general secretary's death could mark a

turning point. Chhattisgarh may be on track to meeting Union Home Minister Amit Shah's target of eliminating Maoism by March next year. Chhattisgarh, especially its Bastar, Narayanpur, Dantewada and Bijapur districts, is among the few remaining Maoist bastions in the country. The movement has lost steam in its erstwhile strongholds in Andhra Pradesh and Telangana. This has led to several top leaders shifting base. Basavaraju, born in Srikakulam, Andhra Pradesh and a graduate of the Regional Engineering College, Warangal, was amongst them. Chhattisgarh's geography — a forested area bordering Maharashtra, Odisha and Telangana, with poor transport and communication facilities — and the economic deprivation of a large section of the state's people, allowed insurgents to gain a foothold. The state government's complacency in the early years of this century also aided the spread of left-wing extremism. Instead of strengthening the

security forces and initiating welfare measures, precious time was wasted on strategies such as arming civilian militias — the Salwa Judum, for instance. However, like in other parts of the country, their recourse to violence and failure to recognise the resilience of democratic institutions worked against LWEs. The political will to counter the insurgents has firmed up — increasing inroads made by the security forces owe to greater coordination between the security forces of the Centre and the state. A network of base camps has ended the security vacuum in the forested areas, and at the same time, roads and mobile towers have put large parts of Maoist-affected areas on the developmental map. The state government has also started a policy of rehabilitating Maoists who surrender — they are provided houses under the Pradhan Mantri Awas Yojana, skill development programmes have special provisions for them, and companies are given incentives to hire former LWEs.

Article 143: Tightrope walk for the Supreme Court

Article 143 will re-examine settled ground in the Supreme Court's judgment in the Tamil Nadu Governor's case.

OUR Constitution means different things to different people. For the political class, it can be a tool to navigate adverse judgments. For the judiciary, it is the lodestar. Article 143, which allows the President to seek the Supreme Court's opinion on legal questions, has been invoked to refer 14 questions about the powers of governors and the President in dealing with Bills.

This would not have been controversial, but for the fact that these questions appear to re-examine settled ground in the Supreme Court's judgment in the Tamil Nadu (TN) Governor's case. This raises a critical question: Is this presidential reference a legitimate constitutional act or a backdoor review bid? In the TN case, the SC clarified that governors must act on the aid and advice of the Council of Ministers and cannot indefinitely delay action on Bills. It also laid down that constitutional authorities, including the President, cannot function without accountability or within limitless timelines.

Dissatisfied with this outcome, the Union Government has now supported a presidential reference posing questions nearly identical to those already answered. This has created the perception that the executive is seeking to reopen a settled verdict without going through the formal review process. Article 143 allows the President to seek the SC's advisory opinion on legal or factual matters of public importance. However, the court is not bound to answer such references. It has the discretion to decline, as seen in Special Reference No. 1 of 1964 and the Ayodhya dispute in (Special Reference No. 1 of 1993).

In the Cauvery water disputes case (Special Reference No. 1 of 1998), the apex court stated that Article 143 cannot be used to appeal a judgment or seek a second opinion on a matter the court has already ruled on. The court emphasised: "Under the Constitution, such appellate jurisdiction does not vest in this court; nor can it be vested in it by the President under Article 143. To accept Shri Nariman's contention would mean that the advisory jurisdiction under Article 143 is also an appellate jurisdiction of this court over its own decision between

the same parties and the executive has a power to ask this court to revise its decision. If such power is read in Article 143, it would be a serious inroad into the independence of judiciary." (Fali Nariman was the counsel for Karnataka in the Cauvery case.) Thus, if the court has already pronounced an authoritative view, no "doubt" exists warranting presidential advice. The court cannot be turned into an appellate forum against itself.

The 14 questions posed by the President echo many already settled in the TN judgment. These include whether a Governor can return a Bill multiple times, or whether the President is bound by a timeline for assent. These were not left ambiguous — they were decided with clarity. This suggests that the reference is not truly seeking clarification, but rather reconsideration. And if so, it is not just a legal issue — it strikes at the foundation of judicial finality. The 2G spectrum reference in 2012 is a notable exception where the SC used Article 143 to clarify aspects of an earlier judgment. After the court cancelled 122 telecom licences, the government sought guidance on whether an auction was the only permissible method for allocating natural resources. The court clarified that while auctions were a fair method, they weren't the only constitutional way. Importantly, the clarification did not disturb the core decision.

The SC said: "We are, therefore, of the view that as long as the decision with respect to the allocation of spectrum licences is untouched, this court is within its jurisdiction to evaluate and clarify the ratio of the judgment in the 2G case." This distinction is vital. In the 2G matter, the government wasn't asking the court to reverse its ruling — just to guide future policy. In contrast, the latest

reference goes to the core of the TN case judgment. It does not ask for interpretation of consequences or guidance for future cases. Instead, it revisits the very questions the court already answered. To allow this would mean that the executive can bypass Article 137 (which governs review) and re-litigate cases via Article



143. That is both constitutionally impermissible and institutionally dangerous. Is the court bound to respond? No. In the Special Courts Bill case, the court observed that it could decline to answer a reference and must give reasons for doing so. In the 2G case, the court listed several grounds for declining a reference: (i) If the questions are already settled; (ii) If they are political; (iii) If they do not serve a constitutional purpose; (iv) If they do not involve issues

of legal significance. The TN judgment clearly falls in the category of a settled constitutional question. Reopening it risks reducing the finality of judicial decisions to a matter of executive preference. The political backdrop cannot be ignored. Governors in several Opposition-ruled states have used dilly-dallying tactics to stall legislation. The TN judgment curtailed this practice. It is hard not to view the reference as a response to that curtailment. This is more than a constitutional query — it is a political pushback. If the SC entertains this reference, it risks being seen as yielding to political pressure, especially when the constitutional path of review is always available. The court has a difficult task. It must balance respect for the President's office with its duty to protect the integrity of its decisions. If the reference is indeed an attempt to re-argue the TN case, the court should decline to answer it. It should clearly state that Article 143 cannot be used to circumvent the finality of judicial verdicts. If, however, there are aspects of the ruling that need clarification for future governance, the court may choose to answer — but only narrowly. It must ensure that it does not dilute the authority of its earlier decision. Article 143 was meant as a tool for legal clarity, not a political escape route. The SC ruling in the TN Governor's case was clear, binding and grounded in constitutional principles.

If the executive disagrees, the Constitution provides a remedy: a review petition. What it does not permit is a second bite at the cherry, disguised as a presidential reference. This reference, if entertained without scrutiny, risks undermining the court's authority and encouraging a dangerous trend. The judiciary must not let itself be used as a forum for constitutional do-overs.

Adani Group to invest Rs 50,000 crore in Northeast over next decade

New Delhi.The Adani Group will invest Rs 50,000 crore across India’s Northeast over the next 10 years, Chairman Gautam Adani announced at the Rising Northeast Investors Summit on Friday.The move highlights the conglomerate’s growing focus on the region’s untapped potential and its role in India’s broader growth story.“Over the past decade, in the hills and valleys of the Northeast, a new chapter in India’s growth story is unfolding,” Gautam Adani said, highlighting the region’s strategic importance and the group’s long-term vision for its development.The fresh investment commitment comes just months after the Adani Group pledged Rs 50,000 crore in Assam alone, targeting sectors like airports, aero cities, city gas distribution, transmission, cement, and road infrastructure.



At the time, Adani had reiterated the group’s intent to strengthen Assam’s economic foundation and contribute meaningfully to the region’s prosperity. Together, these announcements signal the Adani Group’s deepening engagement in the Northeast, as it seeks to catalyse infrastructure-led growth and regional connectivity.

Some individuals don't need to file an ITR. Are you one of them

New Delhi. The new financial year has begun, and so has the process of filing Income Tax Returns (ITR) for 2025–26. The tax department has already released the ITR forms, and many people are now waiting for the e-filing utilities to go live. But here's the thing, not everyone needs to file an ITR.

WHO DOESN'T HAVE TO FILE AN ITR?
Some individuals, especially senior citizens, may be exempt. The Income Tax Act, 1961, under Section 194P, has a special rule for people aged 75 years or more. If you or your loved ones fall into this group, you might not need to worry about filing taxes, provided a few conditions are met.

CONDITIONS FOR EXEMPTION UNDER SECTION 194P

Let’s keep it simple. If you're 75 or older, living in India, and your only income is from a pension and some interest from the same bank where you get your pension, you might not have to file an ITR at all. You just have to give a declaration to your bank. Once the bank has that, they take care of the rest.

They’ll check how much tax you owe, subtract any rebates or deductions, and directly deduct the correct amount from your income. Once that’s done, you don’t have to file a tax return.

WHY WAS THIS RULE INTRODUCED?
This exemption was introduced under Section 194P of the Income Tax Act to make things easier for older taxpayers. It’s aimed at pensioners who have a simple income setup and don’t need to deal with the hassle of filing returns every year.

It takes away the stress and paperwork for senior citizens who are already managing their health and finances in retirement.

Explained: Why IMF gave Pakistan \$1 billion despite India's objections

New Delhi. The International Monetary Fund (IMF) has explained why it went ahead with giving Pakistan a fresh bailout of \$1 billion despite strong objections from India. India had recently asked the IMF to reconsider its decision to help Pakistan financially, arguing that the country continues to support terrorism and allows such groups to use its land to plan and carry out attacks against its citizens. This concern came especially after India launched Operation Sindoor, a military strike on terror bases in Pakistan and Pakistan-Occupied Kashmir (PoK), after the terror attack in Pahalgam. In response to these objections, the IMF said that the financial support it gave to Pakistan was part of an earlier agreement and followed normal procedures. The IMF made its stance clear during a media briefing. Julie Kozack, director of the IMF’s communications department, said, “So the IMF executive board approved Pakistan’s EFF program in September 2024, and the first review at that time was planned for the first quarter of 2025. And consistent with that timeline, on March 25th of 2025, the IMF staff and the Pakistani authorities reached a staff-level agreement on the first review for the EFF.” That agreement... was then presented to our executive board, and our executive board completed the review on May 9th. And as a result of the completion of that review, Pakistan received the disbursement at that time,” she added.

She further explained that it was a routine review of the Extended Fund Facility (EFF), and Pakistan had met the targets set in the programme.

“What I want to emphasise here is that it is part of a standard procedure under programs... to assess their progress... In the case of Pakistan, our board found that Pakistan had indeed met all of the targets. It had made progress on some of the reforms. And for that reason, the board went ahead and approved the program,” Kozack said. She also clarified how the money is used. “IMF financing is provided to members for the purpose of resolving balance of payments problems.

India plans to let US, other foreign firms bid for government contracts: Report

Contracts worth over \$50 billion, primarily issued by federal agencies, could soon be accessible to US companies as part of a broader effort to strike a limited trade agreement with Washington by early July.

New Delhi, India is preparing to open a significant portion of its government procurement market to foreign companies, including US firms, in what officials describe as a strategic policy shift tied to ongoing trade negotiations. Two senior government officials told news agency Reuters that contracts worth over \$50 billion, primarily issued by federal agencies, could soon be accessible to US

companies as part of a broader effort to strike a limited trade agreement with Washington by early July.

The move follows a similar concession made to the United Kingdom earlier this month under the India-UK Free Trade Agreement. British firms were granted access to select central government tenders on a reciprocal basis, signaling a shift in India’s traditionally protectionist stance on public procurement. “In a policy shift, India has agreed to open its public procurement contracts gradually to trading partners including the U.S. in a phased manner and reciprocal manner,” said one official familiar with the negotiations. While the total value of India’s public procurement market is estimated at \$700–750 billion annually, including spending by central, state and local governments, only federal-level contracts are expected to be opened up initially. State and municipal tenders will remain off limits for now, sources told the



news agency. The development comes as trade minister Piyush Goyal concluded a visit to Washington aimed at accelerating bilateral talks. Both sides are hoping to finalise an interim deal before the 90-day tariff pause announced by President Donald Trump expires in July. The US had threatened a 26% tariff on certain Indian imports if a deal isn't reached in time. India has long resisted joining the

WTO’s Government Procurement Agreement, citing the need to shield domestic small businesses. However, officials stress that the new approach won’t compromise that principle.

A quarter of government contracts will remain reserved for Indian small businesses, said Anil Bhardwaj, secretary general of FISME, an industry group representing micro and small enterprises, told Reuters. The commerce ministry has maintained that any foreign access to procurement markets will be tightly controlled, limited to non-sensitive sectors, and matched with reciprocal access for Indian firms abroad.

For Indian exporters, this could open up new global tendering opportunities while giving New Delhi a bargaining chip in trade talks. “Opening procurement to foreign firms on a reciprocal basis offers an opportunity for Indian businesses in overseas markets as well,” added Bhardwaj.

Microsoft, Google and more cut over 61,000 jobs in 2025: Here's why

New Delhi. Job losses are back in the spotlight in 2025, with thousands of workers being laid off by well-known companies. The reasons? Slower income growth, global uncertainty, and a rising push to use artificial intelligence (AI) to handle tasks once done by people.

So far this year, more than 61,000 workers have lost their jobs across over 130 companies, according to Layoffs.fyi. One of the biggest cuts came from Microsoft, which let go of 6,000 employees, its largest round of job losses since 2023. Nearly 2,000 of these were in Washington state alone. The company said it’s cutting down on layers of management and focusing more on roles in engineering.

Google has also quietly trimmed its staff over the past few months. Around 200 people from its advertising and sales

team were laid off in early May. This follows earlier cuts in its Pixel,



Android, Chrome, and cloud units, part of a broader reshuffle after major layoffs in 2023. Amazon has also reduced staff, this time in its Devices and Services unit, which looks after products like voice assistants and e-readers. 100 jobs were cut to help the business better match its product goals. Cybersecurity company

CrowdStrike recently let go of 5% of its staff to stay focused on long-term profit goals.

IBM’s CEO recently shared that the company has used AI to take over tasks once done by several hundred people in its HR team. While several hundred roles were affected, the company didn’t simply cut jobs. Instead, it shifted its focus and hired new staff in programming and sales. The move shows how the company is using AI not just to cut costs, but also to grow where it sees the most value. Meanwhile, these layoffs also highlight how companies are shifting gears, cutting costs, streamlining work, and leaning more on AI. While old jobs fade out, new ones are popping up where future growth is expected.

Bajaj Auto to take over KTM with massive €800 million deal

New Delhi. Bajaj Auto has announced that it will take control of Austrian motorcycle brand KTM AG through an 800 million deal. The move is aimed at helping KTM recover from financial trouble and marks a major step forward for Bajaj, which has been a minority investor in KTM since



In a filing with stock exchanges on Thursday, Bajaj Auto said, “Execution of Facility Agreement between BAIH and KTM AG for a secured term loan of Euro 450 million (equivalent to Rs 4,365 crore at an assumed exchange rate of 1 Euro = Rs 97) to be provided to KTM, and remitted to the escrow account of the Administrator towards payment to the creditors’ quota of KTM as approved by the competent Court in Austria.” Bajaj Auto also said it will subscribe to convertible bonds worth 150 million (about Rs 1,455 crore) issued by Pierer Bajaj AG (PBAG), the joint venture company formed by Bajaj and KTM’s parent.

KTM’S FINANCIAL TROUBLES

KTM AG, which produces and sells motorcycles under the KTM and Husqvarna brands, had filed for court-led restructuring in Austria in November 2024 after running into serious cash problems. The company sells bikes in nearly 80 countries but was hit by liquidity issues that made it difficult to continue regular operations. As part of the court-approved restructuring plan, KTM’s creditors are expected to get 30% of their dues in cash by May 23. The remaining amount will be managed under the restructuring process.

To help KTM recover, Bajaj Auto has already invested 200 million and plans

to provide another 600 million, taking the total to 800 million. The financial support will be used to pay creditors and restart the business. This step will also allow Bajaj to move from being a passive investor to taking active control. Through its unit Pierer Bajaj AG, Bajaj will now have a controlling stake in KTM’s parent company, Pierer Mobility AG. Bajaj Auto currently holds a 37.5% stake in KTM through its investment arm. The two companies have also been working together in India to jointly develop motorcycles, with Bajaj manufacturing KTM and Husqvarna bikes at its Chakan plant near Pune. This move by Bajaj Auto is not just a rescue for KTM but also a strategic shift. By taking charge, Bajaj is strengthening its position in the global motorcycle market. The company is well-known for its Pulsar range and is now looking to play a bigger role in the premium and mid-range global motorcycle segments through KTM and Husqvarna.

India’s crude oil and petroleum product output, refinery throughput fall in April 2025

The indigenous crude oil and condensate production recorded a 3.1% drop.

NEW DELHI. India’s indigenous crude oil production, refinery throughput, and output of finished petroleum products witnessed a decline in April 2025, according to data released by the Petroleum Planning and Analysis Cell (PPAC) on Thursday.

The indigenous crude oil and condensate production in April 2025 recorded a 3.1% year-on-year decline compared to April 2024. Crude oil processed by Indian refineries during the same month also saw a marginal reduction of 0.6%, while the production of finished petroleum products fell by 4.2%. According to the PPAC, India’s indigenous crude oil and condensate production stood at 2.3 million metric tonnes (MMT) in April 2025. Of this, Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) contributed the largest share at 1.5 MMT, followed by



Oil India Limited (OIL) with 0.3 MMT, and Production Sharing/Revenue Sharing Contracts (PSC/RSC) operators accounting for 0.5 MMT. The decline in domestic production is primarily attributed to the natural depletion of mature, decades-old oil fields. Despite technological advancements, extracting the remaining reserves from these aging

fields is becoming increasingly complex and cost-intensive. Total crude oil processed by Indian refineries in April 2025 stood at 21.5 MMT, a slight decrease of 0.6% compared to April 2024. Public Sector Undertakings (PSUs) such as Indian Oil Corporation Limited (IOCL), Bharat Petroleum Corporation Limited (BPCL), and

Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL), along with joint venture (JV) refiners, processed a total of 15.2 MMT. Private refiners like Reliance Industries and Nayara Energy handled the remaining 6.3 MMT. Of the total crude processed, 19.6 MMT was imported, while 1.9 MMT came from indigenous sources. The production of petroleum products in April 2025 dropped by 4.2% to 22.4 MMT compared to the same period in 2024. High-Speed Diesel (HSD) remained the dominant product, accounting for 42.2% of the total production.

This was followed by Motor Spirit (MS or petrol) at 17.5%, Naphtha at 6.5%, Aviation Turbine Fuel (ATF) at 6.4%, Pet Coke at 5%, and Liquefied Petroleum Gas (LPG) at 4.4%. The remaining share included products such as bitumen, fuel oil/LSHS, light diesel oil, and lubricants.

The decline in petroleum product output also impacted exports. According to the PPAC, exports of petroleum oil and lubricants (POL) products fell by 12.4% in April 2025 compared to the same month last year.



What caused IndiGo flight's massive air turbulence?

Indigo flight from Delhi to Srinagar hit severe turbulence amid thunderstorm Turbulence caused by strong updrafts and downdrafts in storm system 227 passengers panicked; damage to aircraft nose visible post-landing

New Delhi. On Wednesday, an Indigo flight travelling from Delhi to Srinagar encountered severe air turbulence while passing through a thunderstorm mid-air, sparking panic among the 227 passengers on board. The intensity of the turbulence was extraordinary, leading to a distressing experience captured on video by several passengers. The footage—widely shared on social media—shows frightened travelers, some clutching their seats and others praying, as the aircraft shook violently amid the storm. Adding to the alarm was visible damage to the aircraft, most notably a broken nose section. Images of the damage quickly circulated online after the plane landed safely. Though the aircraft touched down without further incident, the episode highlighted the unpredictable and dangerous nature of extreme weather events in aviation.

WHY WAS THIS INCIDENT SO SEVERE? While turbulence is a common occurrence for frequent flyers, experts say the severity experienced on this Indigo flight was unusual. Meteorological specialists from India Today investigated the cause behind this intense episode.



WHY DID THE AIRCRAFT SUDDENLY GAIN AND THEN LOSE ALTITUDE?

Turbulence usually occurs due to sudden changes in wind speed or direction—particularly near clouds, storms, or jet streams. In this case, the aircraft encountered a rapidly developing thunderstorm, which produced violent updrafts and downdrafts that significantly disturbed the plane's stability. These vertical air movements are common in storm systems and result from uneven heating of the earth's surface, mountainous terrain, and intense storm dynamics. During such events, air can rise or fall at very high speeds. Initially, the Indigo aircraft experienced an

updraft—a rising column of warm air that can lift an aircraft sharply. Normally, pilots try to avoid such systems by rerouting. However, in this situation, downdrafts followed—columns of cooler air descending rapidly, which can push the aircraft downward by thousands of feet. Pilots must exercise great skill to safely navigate these conditions.

WHAT HAPPENS DURING UPDRAFTS AND DOWNDRAFTS?

RK Jenamani, a senior scientist at the India Meteorological Department (IMD), explained, "An updraft is a rising current of air, often found within clouds. These are driven by thermal processes—such as daytime heating—where the sun warms the ground, causing air to rise. Water vapour, being lighter than air, ascends rapidly. Conversely, a downdraft is a sinking column of air, usually triggered by cooling effects like the evaporation of cloud particles, which increases air density and drives it downward."

WHAT HAPPENED TO THE INDIGO FLIGHT MID-AIR?

According to experts, the Delhi-Srinagar flight got caught in a strong updraft-downdraft cycle, with vertical air currents possibly displacing the aircraft by 2,000 to 6,000 feet.

President confers six Kirti Chakras, 33 Shaurya Chakras to Army, police personnel

New Delhi. President Droupadi Murmu on Thursday conferred six Kirti Chakras, including four posthumously, to personnel of the Army and Jammu and Kashmir Police for displaying indomitable courage and extraordinary valour in the line of duty. Kirti Chakra is India's second-highest peacetime gallantry award. Col Manpreet Singh of the Sikh Light Infantry, two other army personnel from the Rashtriya Rifles and a Jammu and Kashmir Police officer have been conferred the Kirti Chakra posthumously, according to the list of awardees shared by the government.

President Murmu, who is the Supreme Commander of the armed forces, also presented 33 Shaurya Chakras, including seven posthumously, to the personnel of the armed forces, Central Armed Police Forces and state/Union Territory police during a defence investiture ceremony held at the Rashtrapati Bhavan, the Defence Ministry said in a statement.

Maj Malla Rama Gopal Naidu of the Maratha Light Infantry, 56 Rashtriya Rifles, and Major Manjit of the Punjab Regiment, 22 Rashtriya Rifles, received Kirti Chakra. Rifleman Ravi Kumar, the Jammu and Kashmir Light Infantry, 63 Rashtriya Rifles; Colonel Manpreet Singh, of the Sikh Light Infantry, 19 Rashtriya Rifles; Naik Dilwar Khan, the Regiment of Artillery, 28 Rashtriya Rifles; and Deputy Superintendent of Police Himayun Muzzammil Bhat of the Jammu and Kashmir Police were conferred India's second-highest peacetime gallantry award posthumously. The Rashtrapati Bhavan later also shared pictures from the ceremony on its official X handle. "President Droupadi Murmu conferred Shaurya Chakra upon Squadron Leader Deepak Kumar, Flying (Pilot). His undaunted courageous decision in a life-threatening situation to force land the aircraft on a dark night ensured the safety of a valuable national asset and precluded a probable loss of lives," it said in a post.

No Supreme Court Relief For Main Accused In Rs 3,200 Crore Andhra Liquor Scam

New Delhi. The Supreme Court on Friday upheld the arrest of the prime accused in the Rs 3,200-crore Andhra Pradesh liquor scam case.

An Andhra Pradesh Special Investigation Team (SIT) arrested K Rajasekhara Reddy, an IT advisor to former chief minister YS Jagan Mohan Reddy, last month. Reddy, however, called his arrest "illegal". A division bench of Justice JB Pardiwala dismissed his petition, citing "no merit" in the appeal. The top court said that Reddy can apply for regular bail.

In a remand report of Reddy, the SIT said he was allegedly responsible for the discontinuation of popular liquor brands and the promotion of blue-eyed brands' (favoured brands), along with other persons.

"Investigation so far done revealed that Kasireddy Rajasekhara Reddy is the key person in criminal conspiracy and execution in organising the kickbacks driven liquor trade in AP (Andhra Pradesh) during 2019 - 2024," the remand report submitted to a local court said on April 22. It claimed that the automated system of placing orders for the procurement of liquor from distilleries for sale through government retail outlets was allegedly manipulated, nationally reputed brands were removed, and orders were placed on new brands way beyond the prescribed caps.

Kickbacks of Rs 150 per case of cheaper brands, Rs 200 for mid-range brands and Rs 600 per case for high-end brands were collected, it alleged. The collected amounts were handed over to Reddy, who would pass the money to the YSRCP leaders, the note alleged.

"This is a case of conspiracy, cheating, criminal breach of trust, corruption and money laundering which caused huge wrongful loss to the state exchequer/distilleries and wrongful gain to influential individuals/blue-eyed distilleries/blue-eyed suppliers to a tune of more than Rs 3,200 crore, that occurred between October 2019 and March 2024 in AP State Beverages Corporation Ltd, Vijayawada," the remand note said.

Supreme Court says maternity leave vital part of women's reproductive rights



New Delhi. The Supreme Court on Friday ruled that maternity leave was an integral component of maternity benefits and a vital part of women's reproductive rights. The top court further said that no institution could deprive a woman of her right to maternity leave. The landmark order came on a petition filed by a Tamil Nadu woman government teacher who was denied maternity leave after the birth of her child from a second marriage.

In her petition, the woman said her maternity leave was denied on grounds that she had two children from her first marriage. Tamil Nadu has a rule that maternity benefits will only be extended to the first two children. The petitioner said she had not availed of any maternity leave or benefits for her two children from her first marriage. The woman also claimed that she entered government service only after her second marriage.

Advocate KV Muthukumar, representing the petitioner, said the state's decision violated her fundamental rights as she previously didn't avail of Tamil Nadu's maternity benefit provisions.

Airspace near Andaman & Nicobar shut till Saturday for likely missile test: Geo analyst



New Delhi. The airspace near the Andaman and Nicobar Islands will remain shut till Saturday for a likely missile test in the region, Geo-analyst Damien Symon has said. India has issued a Notice to Airmen (NOTAM) around the Andaman and Nicobar Islands for May 23-24, 2025, for a likely missile test in the region, Symon wrote on X. The notification, which restricts airspace movement temporarily, is a routine procedure often preceding strategic weapons testing. Though the X post doesn't specify the nature of the missile test, the airspace above the Bay of Bengal and the Andaman Sea is likely to remain closed till May 24.

Notably, the likely missile test comes after the recent heightened tensions between India and Pakistan following Operation Sindoor that was launched on May 7.

As part of Operation Sindoor, India conducted precision strikes targeting terror infrastructure in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir, in retaliation to the April 22 terror attack in Pahalgam. In response, Pakistan launched aerial attacks on Indian military bases, civilian areas, schools and religious places over the next three days using drones and missiles. In April 2024, the Indian Air Force (IAF) successfully test-fired a new variant of an air-launched medium-range ballistic missile capable of striking targets over 250 km away in the Andaman and Nicobar Islands.

Supreme Court halts IAF's release of officer involved in Op Sindoor from service

New Delhi. The Supreme Court on Thursday issued a stay on the release of Wing Commander Sucheta from the Indian Air Force after she was denied permanent commission. The officer reportedly participated in the recently concluded Operation Sindoor and Operation Balakot in 2019. Delivering the judgement, a bench of Justices Surya Kant and N Kotiswar Singh stayed her release from the Air Force until further orders.

Justice Surya Kant lauded the Indian Air Force for its achievements and said that they are proud of such brave officers. The court has also issued a notice to the Central government and the Indian Air Force on the petition of the Wing Commander.

On being questioned as to why she was



not create any equities in favour of the officer.

"Our defence forces are the best and these women officers are brilliant. The level of professional quality and coordination they displayed during Balakot or Operation Sindoor is unmatched. That is why we salute them. They are definitely the wealth of our nation. In other words, they are the nation. They can see even in the darkness of night," said Justice Surya Kant. Aishwarya Bharti submitted that most officers in the forces are brilliant, but the question boils down to comparative merit.

She emphasised the need to keep the forces young and stated the 'steep pyramidal structure' requires certain officers to 'go out' after serving 14 years, the Live Law report mentioned.

Around 4 terrorists hiding in forest as Kishtwar standoff continues: Sources

New Delhi. Security forces on Friday continued search operations to track down terrorists believed to be hiding in the Chatroo forest belt of Kishtwar district, Jammu and Kashmir. Security forces have informed that they have not been able to make any fresh contact with terrorists. A group of 3 to 4 terrorists are believed to be hiding in the dense forests.

Security forces, including the Army's elite Para Commandos, Jammu and Kashmir Police's Special Operations Group (SOG), and Central Reserve Police Force (CRPF) teams, have intensified their search efforts to track down the militants, who are suspected to have split into two groups to evade capture. According to sources, the terrorists are hiding in the rugged terrain of the Chatroo forest, with

search operations now focusing on Singhpora and Beighpora villages, located just 3 kilometres apart. Despite extensive efforts by the security forces, the terrorists continue to elude them, prompting the deployment of



additional teams to comb the area. Earlier, on Thursday, an Army personnel, Sandip Pandurang from Maharashtra, attained martyrdom during an intense

encounter with the terrorists. The authorities held a wreath-laying ceremony in Jammu to honour the fallen Jawan.

Two other Army personnel were injured in the operations and are currently receiving treatment at a military hospital. According to sources, both the personnel are stable currently.

Additionally, Jammu and Kashmir's Director General of Police Nalin Prabhath had visited the Singhpora-Chatroo area of District Kishtwar on May 23.

The DGP was accompanied by IGP Jammu Zone Bhim Sen Tuti and DIG DKR Range Shridhar Patil. He held a comprehensive review of the ground situation and strategy with officers leading the operation.

One month on, hunt for Pahalgam terror attackers still underway

A month after the Pahalgam terror attack, the Moosa Fauji group remains untraceable despite extensive combing operations. Security forces are grappling with significant challenges, including radio silence and the region's difficult terrain.

New Delhi. A month after the terror attack in Pahalgam that claimed 26 lives, security forces are still pursuing members of the Moosa Fauji group, affiliated with Lashkar-e-Taiba. Despite sustained search and combing operations, the group continues to evade capture, highlighting the operational challenges on the ground and the complex factors hindering efforts to bring the perpetrators to justice.

A METICULOUSLY PLANNED CONSPIRACY

From the beginning, investigators recognised the attack as part of a well-orchestrated conspiracy. The terrorists could have conducted multiple missions and carefully mapped their escape routes. They chose the Baisaran meadow for its negligible security presence -- the nearest CRPF camp was a three-kilometre trek away. This strategic selection created a crucial one-hour gap between the attack and the arrival of forces, giving the terrorists ample time to execute the carnage and disappear into the dense forests.

A HIDDEN FOREST HIDEOUT?

Sources in the security grid suggest that the attackers may be hiding in a well-entrenched, concealed hideout within the forested areas of South Kashmir. This hideout, likely prepared in advance, is believed to be stocked with enough food and supplies to sustain the group for months. After the attack, the terrorists



reportedly dumped their weapons and went underground, complicating tracking efforts.

RADIO SILENCE HAMPERS INTEL

In a significant shift from past patterns, the group has maintained complete radio silence. Over the years, communication intercepts between Lashkar cadres and handlers in Pakistan-occupied Kashmir have provided critical leads in anti-terror operations. However, the Moosa Fauji group has not emitted any digital or heat signatures and has avoided contact with overground workers. With no electronic trail to follow, forces are now heavily

reliant on physical forest scans. SEARCH EXPANDS BEYOND PAHALGAM

After extensive combing operations around Baisaran meadow, search teams have widened their radius to include vast stretches of South and Central Kashmir. Security personnel liken the task to "searching for a needle in a haystack." Thousands of troops are currently deployed to comb through dense jungles and remote terrains.

HOT ZONES AND LASHKAR'S TRAIL

Security sources reveal that the Lashkar hit squad has been crisscrossing regions from North to South Kashmir, even venturing across the Pir Panjal range to Kishtwar. The group has reportedly been involved in multiple attacks on Army positions, including the recent strike at the Z-Morh tunnel in Sonamarg. Their ability to swiftly shift locations indicates deep knowledge of the jungle tracks connecting areas like Anantnag, Kokernag, Tral, and the Dachigam forests near Srinagar.

NEWS BOX

Japan's Rice Crisis: Prices Soar, Supplies Dwindle And A Minister Resigns

world. Rice is essential to Japanese culture, tradition and politics. People take pride in the oval-shaped sticky Japonica grain, which is still a staple even though total consumption has fallen over the decades. But since last summer, prices have soared as supplies have fallen short of demand. The government has long paid farmers to cut back on rice acreage, and change to other crops to keep rice prices relatively high. To cope with shortfalls this year, the government has released rice reserves. But the grain has been slow to reach supermarket shelves. Anger over that was part of the reason the agriculture minister quit this week. Consumers are frustrated and wondering where's the rice?

Why did the farm minister resign?

Agriculture Minister Taku Eto resigned Wednesday after he raised an uproar by saying he "never had to buy rice," because his supporters give it to him as gifts. The remark was seen as utterly out of touch with the realities of ordinary people struggling to make ends meet and to afford rice to eat. Eto apologised, but he was obliged to step down as damage control by Prime Minister Shigeru Ishiba, whose minority government faces a big challenge in a crucial national election in July. Eto's successor is former environment minister Shinjiro Koizumi, who has taken part in reforming Japan's powerful agriculture lobby. He's been tasked with investigating and resolving the rice problem. What's happening to rice in Japan? Rice started disappearing from supermarket shelves, and prices surged to twice normal levels since last summer, when a warning about a possible "megaquake" triggered panic buying. The top "Koshihikari" brand now sells for nearly 5,000 yen (\$35) per 5 kilograms (11 pounds). Rice stocks at Japan Agricultural Cooperatives and other commercial wholesalers have been 400,000 tons short of last year's levels, hitting a record low 1.53 million tons as of June, farm ministry data show.

Court papers say suspect in Israel embassy killings said, 'I did it for Palestine; I did it for Gaza'

WASHINGTON. The man accused of fatally shooting two staff members of the Israeli Embassy in Washington outside a Jewish museum told police after his arrest, "I did it for Palestine; I did it for Gaza," federal authorities said on Thursday in announcing charges in the killings they called a targeted act of terrorism. Elias Rodriguez, 31, shouted "Free Palestine" as he was led away after his arrest, according to charging documents that provided chilling new details of the Wednesday night shootings in the nation's capital that killed an American woman and an Israeli man who had just left an event at the museum. They were set to become engaged.

The attack prompted Israeli missions to beef up their security and lower their flags to half-staff. It came as Israel continues to target civilians in the Gaza Strip amid heightened tensions across the Middle East and internationally, and that law enforcement officials have repeatedly warned could inspire violence in the US. Rodriguez faces charges of murder of foreign officials and other crimes and did not enter a plea during a perfunctory court appearance.

Additional charges are likely, prosecutors said, as authorities continue to investigate the killings as both a hate crime against the Jewish community and terrorism. "Violence against anyone based on their religion is an act of cowardice. It is not an act of a hero," said Jeanine Pirro, the interim US attorney for the District of Columbia. "Antisemitism will not be tolerated, especially in the nation's capital."

Affidavit says suspect declared that he 'did it' After the shooting, the suspect went inside the museum and stated that he "did it." He was no longer armed by the time he was taken into custody, according to the affidavit. "I did it for Palestine, I did it for Gaza, I am unarmed," he spontaneously said.

Flagrant attack': South Asian student group slams Trump's move to bar Harvard from enrolling foreign students

NEW YORK. A prominent South Asian student group at Harvard has "strongly condemned" the Trump administration's decision to revoke the university's eligibility to enrol foreign students, terming it an "unwarranted and flagrant attack" and calling on varsity's administration to maintain steadfast support for its international student community. In an unprecedented development, the Trump administration on Thursday ordered the Department of Homeland Security to terminate Harvard University's Student and Exchange Visitor Programme (SEVP) certification. "This means Harvard can no longer enrol foreign students and existing foreign students must transfer or lose their legal status," the federal agency said. The Harvard South Asian Association (SAA) said it "strongly condemns" the US Department of Homeland Security's recent decision to revoke Harvard's Student and Exchange Visitor Programme (SEVP) certification, barring future enrollment of international students and forcing current international students to transfer. "Amid this unwarranted and flagrant attack," SAA expressed its "unwavering support for our international community. SAA called on Harvard's administration, faculty and students to maintain "steadfast support for its international student body in these turbulent times. To all international students: you belong at Harvard and we will stand for you." "We stand with our South Asian peers and community members who have been adversely impacted," the organisation said in a post on Instagram. It added that international students bring integral and immeasurable value to both SAA and the entire Harvard community.

"Terror Will Not Break Us": World Reacts To Israel Embassy Staff Killings

Lahore. Army chief Gen Asim Munir should have given himself the title of "king" instead of field marshal as Pakistan is currently governed by the jungle law, jailed former premier Imran Khan said on Thursday. Gen Munir was promoted to the rank of Field Marshal on Tuesday for his role in the recent conflict with India, becoming the second top military officer in the country's history to be elevated to the position. "MashaAllah, General Asim Munir has been made Field Marshal. Though frankly, it might have been more fitting to give him the title of 'King' instead — because right now, the country is ruled by the law of the jungle. And in the jungle, there is only one king," Khan posted on X.

Khan, who has been in jail since August 2023 in multiple cases, also said that rumours of a deal being made with him are entirely false. "No deal has taken place, nor is any dialogue underway. These are baseless lies." He, however, openly invited the military establishment to have talks with him if it truly cared about Pakistan's

interests and future. "The country is facing external threats, a surge in terrorism, and an economic crisis. We must unite. I have never asked for anything for myself before, nor will I now," he said. Khan also cautioned the Shehbaz Sharif government about India's another attack and said they must be prepared for any such situation. He said Pakistan has been turned into a place where the law only applies to the weak, never the powerful.

"The ongoing situation reflects that the very spirit of democracy is being crushed. When you send the message that the bigger the thief, the higher the office they'll hold — you bury justice. The NAB still holds a case against (President) Asif Zardari's sister involving five apartments registered under employees' names. She is abroad, and no one dares question her. Shahbaz Sharif was accused in PKR 22-billion money laundering case, yet he was made



Prime Minister," he said. Khan further said that over the past three years, Pakistan's moral and constitutional framework has been utterly destroyed. "A farcical trial has been resumed in the Toshkhana-II case. Just like in prison, court proceedings are dictated by the will of a single colonel. My sisters and lawyers are being barred from

court; my companions are not allowed to meet me; I am denied contact with my children for months; even my books are not delivered, and I am denied access to my physician. This is a continued violation of court orders and laws," he said. He said he received information about drone attacks carried out in areas of Khyber Pakhtunkhwa and directed the Khyber Pakhtunkhwa government to officially lodge a protest with the federal government and take immediate steps to stop these drone strikes.

"The killing of innocent civilians in drone attacks does not reduce terrorism as it only fuels it further. After years of struggle, we had succeeded in halting American drone operations in Pakistan. If you claim to be against terrorism, then do not drop bombs on the homes of your own people," he added.

Israeli staffers' killing in Washington was planned, shooter said 'did it for Gaza': FBI

world. The main accused in the Washington, DC shooting incident, Elias Rodriguez, 31, shouted, "I did it for Palestine, I did it for Gaza," after killing two Israeli Embassy staffers outside a Jewish museum, according to federal agents who described it as an act of terrorism.

Rodriguez was heard screaming "Free Palestine" as he was being taken into custody, shortly after shooting an American woman and an Israeli man, who were set to get engaged. Documents detailing Rodriguez's custody have revealed chilling details about Wednesday's shooting incident. According to reports, Rodriguez refused to respond to any charges levelled against him when he was briefly produced before a court. Documents detailing Rodriguez's custody have revealed chilling details about Wednesday's shooting incident. According to reports, Rodriguez refused to respond to any charges levelled against him when he was briefly produced before a court. Additional charges are likely to be slapped against the accused as prosecutors probe the incident, seeing

it as a hate crime against Jews and, additionally, an act of terrorism, reported international news agency Associated Press.

MURDER WELL-PLANNED: FBI According to an affidavit by the Federal Bureau of Investigation (FBI), the US



domestic intelligence agency -- which was made public on Thursday -- the Israeli Embassy staffers were murdered in cold blood, with the case described as calculated and well-planned. The authorities further said that Rodriguez carried a gun in his hand baggage as he was travelling to Washington from Chicago on Tuesday. According to the affidavit, he had

already purchased a ticket three hours ahead of the event at the Jewish Museum. Eyewitnesses reported Rodriguez's behaviour as suspicious, noting that he was pacing up and down in front of the museum before approaching a group of four and opening fire. In the surveillance footage accessed by the FBI, the domestic intelligence agency stated that Rodriguez closely examined the two victims after they were lying on the ground. He appeared to reload but then jogged away, according to the FBI affidavit. Following the chilling incident, the accused walked inside the museum, saying that he "did it." The affidavit says that he was unarmed at that time.

"I did it for Palestine, I did it for Gaza, I am unarmed," he said. Condemning the incident, FBI chief Kash Patel didn't stop short of calling the incident an "act of terror," saying: "Last night's act of terror has the full attention of the FBI. Targeted anti-Semitic violence is an attack on our core values and will be met with the full weight of federal law enforcement."

4 Killed, Around 50,000 Remain Stranded In Flood-Hit Australia

Sydney. The body of a man was found in a car trapped in floodwaters in Australia's southeast on Friday, raising the death count to four, after three days of incessant rain cut off entire towns, swept away livestock and destroyed homes. Police said the man was found near Coff's Harbour, around 550 km (342 miles) north of Sydney. The search continued for a person missing since the deluge began early this week.

Johnston told reporters. Television videos showed submerged intersections and street signs, cars up to their windshields in water, after fast-

Prime Minister Anthony Albanese said he would visit the flood-hit towns on Friday. "It's pretty horrific, the conditions ... this is a really serious situation," Albanese told radio station Triple M Newcastle. More than 100 schools remained closed on Friday, while thousands of properties were without power. Rivers would stay above danger levels for several days, authorities said. A wild weather system that dumped around four months of rain over three days shifted south towards Sydney on Thursday, though the weather bureau, in its latest update, said it is expected to ease by Friday evening.



rising waters burst river banks and flooded several rural towns in the Hunter and Mid North Coast regions of New South Wales, Australia's most populous state. Debris from the floods, and dead and lost livestock, have washed up on the coast.

Warragamba Dam, which supplies 80% of Sydney's water supply and is currently at around 96% of capacity, could spill over soon after heavy rain overnight, officials said.

Around 50,000 people are still isolated, emergency services personnel said, as they look to ramp up efforts to supply essential supplies after weather conditions eased. But authorities warned residents returning to their flooded homes to watch out for dangers.

"If your home or premise has been inundated, floodwaters have contaminants. There can be vermin, snakes ... So you need to assess those risks. Electricity can also pose a danger as well," state Emergency Services Deputy Commissioner Damien

Looked Distressed, Witnesses Mistakenly Helped Man Who Killed Israeli Staff

Washington. After the street outside the Capital Jewish Museum in DC echoed with sounds of gunshots, witnesses offered water and help to a man they thought was a traumatised bystander. Minutes later, they learnt he was the man who allegedly shot dead the two Israeli diplomats. Elias Rodriguez, 30, appeared visibly distressed and disoriented when he entered the museum after Wednesday night's shooting. Witnesses rushed to help him, unaware he had just gunned down Yaron Lischinsky, 28, and Sarah Milgrim, 26, outside the American Jewish Committee's ACCESS Young Diplomats Reception. "He was soaking wet, in a state of shock," Yoni Kalin, who was inside the event, told The NY Post. "We just thought he was a bystander."

Sara Marinuzzi, another witness, said Rodriguez entered the museum shortly after the shooting. "We all figured he was a witness [because] he was so shaken up," she said. He stayed with the group for 10-15 minutes as they believed they were sheltering alongside a fellow survivor. Witnesses said they acted on instinct. "When a man comes running in distress, the immediate instinct is to help," said Ms Marinuzzi. "And that's what we did." Mr Kalin recalled Elias Rodriguez being calm until police arrived, when he



suddenly confessed, saying, "I did this. I did this for Gaza," and yelled, "Free, Free Palestine. From the river to the sea and there's only one solution, the intifada revolution."

Panic erupted when he reached into his backpack, but instead of a weapon, he pulled out a red keffiyeh scarf. He was then tackled by museum staff and security before being arrested by police. Mr Lischinsky and Ms Milgrim, colleagues and romantic partners from the Israeli Embassy in DC, were shot at while approaching a crosswalk. Security footage shows Rodriguez walking past them, turning, and firing multiple rounds. After they collapsed, he moved closer and fired again, emptying 21 bullets from a 9mm handgun. Elias Rodriguez travelled from Chicago to DC a day earlier with the legally purchased gun in his checked baggage. He was in town for a work-related conference. Mr Lischinsky was pronounced dead at the scene at 9:14 pm. Ms Milgrim died shortly after being taken to the hospital. Elias Rodriguez now faces multiple charges, including murder.

If you block our water...: Pak Army official parrots Hafiz Saeed in threat to India

—A Pakistani military spokesperson's threatening remarks towards India, echoing Lashkar-e-Taiba chief Hafiz Saeed's inflammatory language about water, highlighted the alarming overlap between the Pakistan Army's rhetoric and the country's terror networks.

world. In yet another example of the chilling convergence between the rhetoric of the Pakistan Army and the country's terror network, a Pakistani military spokesperson appeared to threaten India using language strikingly similar to that of designated terrorist Hafiz Saeed. A video of Lieutenant General Ahmed Sharif Chaudhry at an event at a Pakistani university showed him saying, "If you block our water, we will



choke you". He was apparently referring to India's recent move to suspend the water-sharing treaty after the Pahalgalam terrorist attack. This comment mirrors that of Lashkar-e-Taiba chief Hafiz Saeed, who

had allegedly said, "If you stop the water, God willing, we will stop your breath, and then blood shall follow in these rivers," according to videos shared by people on the internet, who drew similarities between the

comments. The army official attempted to engage in an online debate, which quickly escalated into a fresh controversy, with many pointing out the striking similarities. Mariam Solaimankhil, an Afghan politician and former Member of Parliament, joined the discussion and remarked, "He seems to have copied Lashkar-e-Taiba's founder Hafiz Saeed word for word "If India stops the water we will stop their breath" I guess the Pakistani military establishment shares a script with recognised terrorists". India Today could not independently verify the timing of Hafiz Saeed's video, which appears to be from an earlier public address. India has recently questioned the 1960 Indus Waters Treaty with Pakistan following the April 22 Pahalgalam terrorist attacks. This move is part of a series of punitive measures taken by New Delhi against Islamabad, accusing it of supporting cross-

NEWS BOX

Sudharsan currently focussed on IPL, not on England tour

AHMEDABAD. Gujarat Titans opener Sai Sudharsan is thrilled about his selection for the upcoming India A tour of England but for now his sights are firmly set on guiding the former champions to Qualifier 1 and final of IPL 2025.The 23-year-old, who has the experience of representing Surrey and scoring a century for the English county side, has been named in the India A squad and is also set to become the rookie face in the Test squad."Mentally, we will have to be switched on for the IPL first. Once that story is over, then we can probably think about the India 'A' story. But definitely happy for that opportunity, and I think I would have a great time there," Sudharsan told reporters on Thursday.The Tamil Nadu opener, currently leading the Orange Cap race with 638 runs in 13 matches, has been one of the standout performers of the season."Right now, the most important thing is to finish in the top two so that we get an extra opportunity (of playing in Qualifier 2), if at all we need. The focus is more on that. Obviously, there are a lot of experiences and learnings in these 13 games (that we have played). So, we keep on filling the gaps wherever we feel like, and we will be ready for the playoffs," Sudharsan said.Sudharsan has been a vital cog in



Gujarat's top order alongside skipper Shubman Gill and wicketkeeper-batter Jos Buttler, forming one of the most formidable top-three combinations of the season. However, all three fell after getting starts in the game against Lucknow Super Giants, leaving the daunting 236-run chase to the largely untested middle order."I think the IPL is that kind of league where you can't experiment, even if you qualify early in the tournament. So, I don't think you can try a lot of different things in the middle order. Despite a spirited effort from Shahrukh Khan (57 off 29) and Sherfane Rutherford, who shared an 89-run stand, GT fell short by 33 runs" he said. "But I feel the middle order has done pretty well because even in the first 6-7 games, Sherfane stepped up and scored many runs in the middle order, changing games for us. Even in Mumbai, he changed the course of the game.

THE PHOTON NEWS

11

www.thephotonnews.com

Saturday, 24 May 2025

Sports ministry hikes athletes' diet charges, doubles coaches' salaries

Revision follows the commencement of a new Olympic Cycle post-Paris Olympics 2024, reflecting India's aspirations to host the 2036 Olympic Games and addressing emerging challenges.

New Delhi. BOTH athletes and coaches will see a considerable hike in their dietary allocations and salaries respectively with the sports ministry revising the Scheme of Assistance to the national sports federations on Thursday.Under the revised norms, diet charges for senior sportspersons in national camps have been increased from Rs 690 to Rs 1000 per day per athlete. For juniors, it has been increased from Rs 480 to Rs 850 per day per athlete.Besides, the ministry has also made a provision for the additional diet allowances for certain sports disciplines where it is felt that the diet charges are not sufficient to meet the energy requirements of the athletes for heavy and middleweight power events endurance, sprints, low weight power events, and skill events. Not only this, a dietary allowance of Rs 10,000 per month to each of the probable group athlete will be paid for non-camp days, so that these athletes are not deprived of proper diet during non-camp days.In its bid to attract top coaches for various disciplines, the ministry has also decided to hike their salaries by 50 per cent. As per the revision, the chief national coach, who used to receive Rs 5 lakh per month, will now get Rs 7.5 lakh per month. For other coaches, it has been increased from Rs 2 lakh to Rs 3 lakh monthly.The revision follows the commencement of a new Olympic Cycle post-Paris Olympics 2024, reflecting India's aspirations to host the 2036 Olympic Games and addressing emerging challenges. It also considered increased costs due to inflation in training, infrastructure development, equipment procurement, and athlete welfare. The last revision was done in February 2022. The fresh norms mean financial assistance for conducting national championship of a high priority sport has been enhanced to Rs 90 lakh. For the priority sport, it has been increased to Rs 75 lakh. According to the ministry, these reforms aim to build a robust, accountable, and performance-driven sports ecosystem, ensuring alignment with India's long-term goal of becoming a global sporting powerhouse and eventual host of the 2036 Olympic Games. Similarly, financial ssistance for hosting international tournaments in India doubled to ?2 crore. However, the NSFs have been asked to adhere to the guidelines issued in this regard. They have to earmark at least 20 per cent of their annual budget for grassroots development, channeled through affiliate units for junior/youth development.The NSFs of high priority and priority sports disciplines shall identify a probable group of athletes in two categories of senior group and junior group with high performance potential. These athletes will be trained at accredited academies, selected by NSFs through a fair and transparent process. The training programme delivered at these accredited academies for a particular sport will be monitored by the High Performance Director of the respective sport.All NSFs also need to have a coaching education expert dedicated for training of trainers. The NSFs with an annual budget of Rs 10 crore and above have to mandatorily appoint an HPD, who in turn will design and monitor the sport's technical development programme.The federations can also engage administrative manpower and up to 10% of funding can be used for appointing CEO/director, managers (finance, competition, coach development, IT, legal), office assistants, interns, etc.



RCB vs SRH, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Lucknow pitch conditions

New Delhi. Rajat Patidar's Royal Challengers Bengaluru (RCB) and Pat Cummins' Sunrisers Hyderabad (SRH) will face each other in Match No.65 of IPL 2025 on Friday, May 23 at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium in Lucknow. RCB have already sealed their berth in the playoffs, but there's a lot more at stake. If they beat the Sunrisers, not only will they reclaim their top spot in the table, but also strengthen their chances of qualifying for the playoffs.But if they lose, Gujarat Titans (GT), Mumbai Indians (MI) and Punjab Kings (PBKS) will have a chance of pushing them out of the top two. RCB will also look to regain some momentum after having not played a single game since last facing

Djokovic celebrates 38th birthday with win over Arnaldi, smashed racket at Geneva Open

Djokovic rallied strongly in the second set for a 6-4, 6-4 win over 39th-ranked Matteo Arnaldi in their quarterfinals match.

GENEVA. Novak Djokovic advanced to the semifinals at the Geneva Open on his 38th birthday Thursday, beating the opponent who eliminated him at the Madrid Masters last month.Djokovic rallied strongly in the second set for a 6-4, 6-4 win over 39th-ranked Matteo Arnaldi in their quarterfinals match.The second-seeded Djokovic had smashed his racket into the ground behind the baseline after his serve was broken to trail 3-1 in the second set, when he sent a



backhand long."I'm sorry for the racket, it's not a good example, particularly for the young ones," Djokovic told the crowd in French in an on-court interview. "Thank for your support. I know that with the cold temperatures, it's not easy to stay here." At 4-1 down, and after seeming to strain his

right knee stretching for a shot, Djokovic reeled off five straight games for victory. He clinched his first match-point chance when Arnaldi hit a wild forehand from behind the baseline. "It was much closer than maybe the scoring indicates," Djokovic said. On a chilly and rainy day that was tough for higher-ranked players, top-seeded Taylor Fritz lost to sixth-seeded Hubert Hurkacz 6-3, 7-6 (5), and fourth-seeded Karen

Khachanov lost 4-6, 6-4, 6-4 to 128th-ranked Austrian qualifier Sebastian Ofner. Djokovic's semifinal opponent Friday will be the winner of the late match between Alexei Popyrin, the fifth-seeded Australian, and another qualifier, Cameron Norrie.

GT win a confidence booster: Avesh Khan says LSG aim to end IPL 2025 strong



New Delhi. Lucknow Super Giants pacer Avesh Khan believes their 33-run victory over table-toppers Gujarat Titans was a much-needed confidence boost for the side, even though their IPL 2025 playoff hopes are already over. Speaking after the win on May 22, Avesh admitted that things hadn't gone in LSG's favour this season but stressed on the team's intent to finish the season on a high.Rishabh Pant's side were officially knocked out of the playoffs race

after a loss to Sunrisers Hyderabad earlier this week. However, they bounced back with an inspired all-round performance to beat the in-form Titans on Thursday. Addressing the media at the post-match press conference, Avesh acknowledged the disappointment of not making the playoffs but remained optimistic about taking the positives from the GT win into their final fixture against Royal Challengers Bengaluru on May 27."Every team plays to

win every match. Unfortunately, sometimes the results don't go in our favor. We knew we were out of the tournament, but our mindset was to finish the season on a high. We focused on what was still in our hands," Avesh said."We were picked for a reason — to contribute to wins. So we aimed to end with a victory, and we managed to do that. Beating Gujarat Titans by 33 runs was a big confidence booster for us, especially after losing five or six matches in a row in the second half. This win has given us a lift, and now we'll give it our all to win the next match and finish the season on a positive note," he added.The win was set up by Mitchell Marsh's blistering 117 — his maiden IPL century — supported by explosive cameos from Nicholas Pooran and Rishabh Pant, which helped LSG post a massive 235. In response, GT's top-order — including skipper Shubman Gill, Sai Sudharsan, and Jos Buttler — faltered under pressure. Despite Shahrukh Khan's 57 and Sherfane Rutherford's quickfire 38 off 22, Gujarat fell short.While the win won't change LSG's fate in IPL 2025, it has derailed Gujarat's hopes of finishing in the top two and possibly securing an extra shot at the final via Qualifier 1.

Two-tier Test cricket needed to give the format a narrative: Michael Vaughan

New Delhi. Former England captain Michael Vaughan has thrown his weight behind the idea of a two-tier Test cricket structure, arguing it could inject much-needed clarity and narrative into the longest format of the game. Vaughan believes the current World Test Championship setup leaves fans confused about which teams are truly in contention and how competitive the format really is. Speaking during Day 1 of England's one-off Test against Zimbabwe, Vaughan pointed out that the absence of a clear structure makes it harder for fans to stay engaged. A two-league system, he said, would help showcase the best sides consistently competing against each other, offering a clear context for the road to the World Test Championship Final. "I think it's very confusing if you look at the number of games South Africa have played



compared to what Australia, India, or England have played. It's very hard for the average cricket fan to understand who's the best team in the world and how exactly the top two teams make it to the final. I'd just like it to be a lot clearer. I'd have two leagues," Vaughan told BBC Sport. "I just think Test cricket needs more of a narrative. At the minute, it's very confusing, and it's very hard for the public to understand," he added.According to The Age, the ICC is actively discussing a two-division system that would split Test-playing nations. The proposed top tier would feature India, England, Australia, Pakistan, Sri Lanka, South Africa, and New Zealand. The second tier could include teams like the West Indies, Afghanistan, Bangladesh, Ireland, and Zimbabwe.The idea is reportedly under consideration for implementation after the current Future Tours Programme cycle concludes in 2027. ICC chair Jay Shah is said to have discussed the proposal with Cricket Australia and the England and Wales Cricket Board (ECB) earlier this year.

Luka Modric bid an emotional farewell to Real Madrid, receiving heartfelt tributes from teammates and legends like Rafael Nadal, honoring his legendary career, unmatched leadership, and lasting impact on the club's historic success.

New Delhi. As Luka Modric prepares to end his incredible Real Madrid career, his teammates and club legends have shared heartfelt tributes celebrating not only his unparalleled achievements but also his humility, leadership, and the profound impact he's had on and off the pitch. After 13 remarkable seasons at Real Madrid, Luka Modric is set to bring down the curtain on an extraordinary chapter of his career.From young stars like Vinicius Jr and Jude

Bellingham to seasoned greats such as Kylian Mbappe and Arda Guler, everyone has expressed deep admiration and gratitude. Even tennis legend and Real Madrid board member Rafael Nadal joined in to honour Modric's legacy as a Los Blancos legend. Vinicius Jr praised Modric's grace, brilliance, and humility, calling his football "pure art" and highlighting the kindness and respect he showed to teammates."How hard it is to say goodbye, Luka... Your story at Madrid is unmatched — 13 seasons, 28 titles — all of it written with grace, brilliance, and a humility that taught me more than a thousand words ever could Your football was pure art, but your kindness and respect towards me were gifts I'll always treasure," Vinicius wrote.Even Luka Modric's former teammate and Real Madrid's all-time leading goalscorer, Cristiano Ronaldo, couldn't hold back from acknowledging the Croatian maestro. The Portuguese star dropped a heartfelt comment on Modric's retirement

post, reminiscing about their glorious years together at the Santiago Bernabeu.Jude Bellingham reflected on the privilege of being Modric's teammate, emphasising his



humility and generosity both on and off the field."The only thing outweighing my sadness right now is the gratitude I feel for having had the honour of being your teammate...Brate, from the bottom of my heart, thank you for every pass but more meaningful to me, every chat, every hug,

every dinner and every piece of wisdom and advice that you gave," Bellingham wrote. Although only teammates for a short while, Mbappe was moved by what he called a close-up view of "greatness.""I was lucky enough to be able to play and share the locker room with you this season. I saw closer what GREATNESS really means Before to be one of the best players of all time, you are a wonderful person...Thank you for everything LEGEND," Mbappe wrote on his post for Modric.Real Madrid board member and Spanish tennis icon Rafael Nadal also joined in with an emotional tribute."How lucky we have been to be able to enjoy you for so long. Thank you for all these years being an example on and off the field I wish you all the best in the future!" Nadal wrote.Modric's contributions to Real Madrid have been immense, both on and off the field. Over the years, he has been a consistent presence in the midfield, helping the club achieve major successes.



Chennai Super Kings (CSK) back on May 3.The Sunrisers, on the other hand, have nothing but pride to play for. They have been indifferent throughout with their big guns not firing enough. But they will be a little high on confidence after beating the Lucknow Super Giants (LSG) by six wickets in their previous game on May 19. RCB vs SRH: Head-to-Head RCB and SRH have faced each other 24 times since they first met in 2013. SRH have a slender 12-11 lead with one match ending in a tie. But at neutral venues, the Sunrisers have dominated RCB with a 3-1 lead. RCB vs SRH: Team News RCB earlier named Tim Seifert as a replacement for Jacob Bethell, who will resume national duties after SRH's last league match. For the Sunrisers, Travis Head has been declared hit and is most likely to play. Jaydev Unadkat has also rejoined the squad after missing the previous game.

Anushka Sharma

Vaani Kapoor React To Aishwarya Rai's Viral Sindoor Look From Cannes

Aishwarya Rai is known as the Cannes queen, and rightly so. On Wednesday, she made a statement on the red carpet in a regal white saree. However, what stood out was a streak of sindoor that gleamed brightly on her hair parting. While fans have been gushing over Aishwarya's Cannes look, celebs too have been expressing love for the Devdas actor. Anushka Sharma, Bhumi Pednekar, Vaani Kapoor, Neil Nitin Mukesh, Masaba Gupta, Sophie Choudry, The Jewel Thief fame Nikita Dutta, Himanshi Khurana, Kusha Kapila, and several other who's who from showbiz expressed love for Aishwarya's sindoor look by 'love-



reacting' her picture. Richa Chadha, who has often expressed her love for Aishwarya, called her "Queen". Take a look at Aishwarya's photos from Cannes: Aishwarya Rai wearing sindoor at Cannes meant two things for her fans. A section of social media users claimed that wearing sindoor on a global platform such as Cannes was her strong response to rumours of trouble in her and Abhishek Bachchan's marriage. Some netizens speculated that Aishwarya's sindoor might have been a subtle but powerful reference to Operation Sindoor, the Indian Armed Forces' retaliatory strike on terrorist infrastructure in Pakistan and Pakistan-occupied Jammu and Kashmir. The overnight operation, conducted from May 7 to 8, was in response to the horrific Pahalgam terror attack that claimed the lives of 26 tourists. Following the national operation, Aishwarya's appearance at Cannes in traditional attire with red sindoor led many online users to draw a connection. On the professional front, Aishwarya Rai was last seen in Mani Ratnam's Ponniyin Selvan: II, where she reprised her role as Nandini. She has yet to announce her next project. Meanwhile, Abhishek Bachchan appeared in the Amazon Prime original Be Happy. He will be next seen in Housefull 5 and Raja Shivaji.

Bhumi Pednekar's

High-On-Bling Photos Make Samantha Ruth Prabhu Scream 'Stunning'

Bhumi Pednekar, who garnered mixed reactions for her latest appearance in the romantic comedy-drama television series The Royals, directed by Priyanka Ghose and Nupur Asthana, is a true blue fashionista. Be it her stylish vacation looks or gorgeous on-screen looks, the actress never misses a chance to showcase her sartorial fashion senses. Recently, as she posted startling glimpses from her bold photoshoot, it caught the attention of Samantha Ruth Prabhu and other leading stars of the industry. On Instagram, Bhumi Pednekar posted a couple of photos from her latest photoshoot for Bridal Asia. The opening frame featured the actress sticking a bold pose in a blingy golden outfit. She was wearing a shimmering mini dress with matching pearl drops near the hemline, and attached with a sheer trail at the back. For the same photo shoot, the actress also dolled up in a vintage-inspired lehenga choli. The red-hued top featured a unique neckline with bell sleeves and intricate designs all over it. She teamed it with a voluminous skirt in shades of chocolate brown, highlighting stunning embroideries. A statement neckpiece and a tiny bindi accentuated her look while she finished it off with a messy hairdo. Bhumi also wore two more dazzling lehenga pieces and dished out major fashionista goals with her confidence and style. She captioned the post with a series of emojis, including a crown, a star and others, and hashtagged it with The Royals. The carousel soon caught the attention of many



A-listers in the industry, who reacted to it while lauding the diva's dazzling appearance. Tamannaah Bhatia wrote, "Ufffff," punctuated with a series of fire emojis. Samantha Ruth Prabhu commented, "Stunning," followed by a red heart emoji, while Rakul Preet Singh dropped a couple of fire emojis. Lisa Mishra, who appeared in the role of Niki in The Royals, penned, "The red ghagra," followed by a series of heart-eyed emojis. One of her fans wrote, "Wowiiiiieee! What a doll." Someone mentioned, "Slaying." On the other hand, many others criticised the actress for getting fillers on her lips. This is not the first time Bhumi has been facing constant criticism for going under the knife. Ever since she made her appearance in the TV series, she has been called out for the same. Even before that, right from the beginning of her career, the actress has been opening up about the same in several interviews. After The Royals became trending, one of Bhumi's interviews giving back to the trolls for talking about her lips yet again surfaced on social media. It was during one of her interviews in 2017, when Bhumi mentioned, "You know the most bizarre thing that somebody actually told me was that 'your lips are too big'," adding, "I said since when is that a problem? I mean people pay in lakhs of money to get that done... They can say the most bizarre things. You should just be aware of what you are and not care."



Nothing! Just Ananya Panday Enjoying Family Time With Aunt Deanne Panday



Ananya Panday recently took a break from her work commitments and visited her cousin Alanna Panday during a short vacation along with her sister Rysa Panday. The diva has often been sharing glimpses from her fun time with her extended family in the United States, especially with her nephew, River, whom Alanna shares with her husband, Ivor McCray. Now, the Call Me Bae actress's aunt Deanne Panday has shared some more pictures with 'baby River's Maasi's. In the snapshots, Ananya posed for a happy family picture along with her sister Rysa and aunt Deanne, who happens to be Alanna's mother. All of them are seen in casual attire, while the actress opted for a blue top paired with matching yoga pants, her sis wore a white T-shirt paired with blue jeans. Deanne, on the other hand, rocked a white co-ord set. Sharing the snapshots, Alanna's mom wrote in the caption, "Baby River's Pretty Maasis." Ananya's father, Chunky Panday, re-shared the post on his stories.

In no time, the comment section was flooded with reactions from fans and admirers. An Instagram user wrote, "The cutest baby has the cutest aunts." Ananya's mother, Bhavana Pandey dropped multiple red heart emoticons. Another user commented, "Cutest aunts." Notably, Deanne is the wife of Chikki Panday, brother of actor Chunky Panday. Coming back to Ananya, the actress recently dropped an adorable video of feeding her nephew, River. In the video, shared on her stories, the actress tries to feed her nephew juice from a baby's sippy cup, but the kid instead bites on the sipper, causing her to giggle. Despite his mischievous antics, Ananya remains committed to her "maasi duties" and continues to feed him. She also posted a photo of River happily sipping his juice, captioned "Can I bite him?" On the work front, Ananya was recently seen in the period courtroom drama film, Kesari Chapter 2, along with Akshay Kumar and R Madhavan. She will be next seen in the romantic drama, Chand Mera Dil, opposite actor Lakshya. Produced by Karan Johar's Dharma Productions, the film is slated to hit the big screens later this year.

Mira Rajput Looks Glamorous As She Steps Out With Mom In Magenta Co-Ord Set



Mira Rajput, the wife of Shahid Kapoor, made a rare appearance with her mother, Bela Rajput, on Thursday. The mother-daughter duo were photographed on the streets of Mumbai dressed for a casual day out. While the actor's wife dressed simply in a purple co-ord set, her mother was seen in an elegant saree look. In the video, Mira and her mother were seen walking down the footpath before entering a building in the corner of the street. Mira seemed in a hurry and hardly stopped to pose for the paparazzi. As the clip progressed, she was seen greeting the security personnel in the building before making her way in, followed by her mother. Mira's casual outfit paired with sleek heels and a black bag is an ideal summer style inspiration. On the other hand, her mother wore a pink-hued saree with a checkered blouse, giving the perfect contrast look. Mira Rajput married Shahid Kapoor when she was 20. In a recent conversation with Naina Bhan and Sakshi Shivdasani, she confessed that getting married so young was a difficult experience for her, because her friends were living different lives. Mira Rajput said, "I think we (Mira and her friends) did evolve separately. I'd like to admit that it was quite isolating because we were just in different phases of life at that time. You get to different phases in life, and you look at your friends... I wish I could do what she's doing." She also explained how she could not catch up with them as often because she was too occupied in her new life. Her friends would often ask her why she was distant. Mira added, "I don't think they understood it then, but fortunately, the friendship kind of sustained. They understand it now because they're in a similar phase." Shahid Kapoor married Mira Rajput in 2015. They had an intimate ceremony in Delhi and a grand reception in Mumbai. Later, they welcomed their daughter Misha in 2016 and their son Zain in 2018.